

अमित शाह ने दिल्ली में बारापुला फ्लाईओवर, 3 अन्य सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में लंबे समय से लंबित बारापुला फेज-3 एलिवेटेड कॉरिडोर समेत 1,941 करोड़ रुपये की लागत वाली चार बड़ी सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत की। शाह ने बारापुला में आयोजित एक कार्यक्रम में इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी, सड़क परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ?? और अन्य लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने इन परियोजनाओं की शुरुआत का श्रेय "डबल-इंजन सरकार की ताकत" को दिया। उन्होंने कहा, "डबल-इंजन सरकार

के होने से ही दिल्ली की रुकी हुई परियोजनाएं जनता के लिए शुरू की जा सकती हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि उनकी सरकार यातायात जाम की समस्या को दूर करने के लिए कई परियोजनाओं की योजना बना रही है। यह एक ऐसी समस्या है जिसे पिछले 50 वर्षों से नजरअंदाज किया गया था। वहां मौजूद लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि बारापुला फ्लाईओवर के लिए 11 साल का इंजीनर आखिरकार खत्म हो गया है।

वर्मा ने कहा, "पिछले साल हमने वादा किया था कि बारापुला फ्लाईओवर का काम एक साल में पूरा हो जाएगा और हमने इसे कर दिखाया। पिछले 18 महीनों में आरोप-प्रत्यारोप या बहानेबाजी की



कोई राजनीति नहीं हुई बल्कि सरकार ने सिर्फ जनता के लिए काम किया है।" चार परियोजनाओं में सबसे बड़ी बारापुला फेज-3 एलिवेटेड रोड कॉरिडोर परियोजना

संस्थान (एम्स) को जोड़ा जाएगा। यह फ्लाईओवर सराय काले खा में मौजूदा बारापुला फ्लाईओवर से जुड़ जाएगा जिससे करीब 10 किलोमीटर लंबे मार्ग का विस्तार पूरा हो जाएगा। इस परियोजना को मूल रूप से 2014 में मंजूरी दी गई थी और 2015 में इसका काम शुरू हुआ था। इसे 2017 तक पूरा किया जाना था लेकिन कई बार देरी हुई और परियोजना की संशोधित लागत बढ़कर करीब 1,635 करोड़ रुपये हो गई।

अन्य परियोजनाओं में दक्षिणी दिल्ली में यातायात जाम कम करने के लिए दो नए फ्लाईओवर और उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड पर एक अंडरपास का निर्माण शामिल हैं।

नंदीग्राम उपचुनाव: कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को दी अंतरिम जमानत

कोलकत्ता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार मिलन प्रधान को 2007 में दर्ज छह आपराधिक मामलों में मंगलवार को अंतरिम जमानत दे दी। अदालत ने कांग्रेस उम्मीदवार को 20 अक्टूबर तक राहत दे दी, जिससे वह नंदीग्राम विधानसभा सीट पर छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार कर सकेगा। यह सीट मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। शुभेंदु ने इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने भवानीपुर सीट बरकरार रखने का फैसला किया। न्यायमूर्ति तीर्थकर घोष ने प्रधान को अंतरिम राहत देते हुए उन्हें 21 अक्टूबर को निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने प्रधान को

उन सभी छह मामलों में 20-20 हजार रुपये का जमानती मुचलका जमा करने का भी निर्देश दिया, जिनमें उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति घोष ने कहा कि संबंधित निचली अदालत के मजिस्ट्रेट प्रधान के खिलाफ दर्ज मामलों पर विचार करने के बाद उचित कदम उठाने का फैसला करेगा। उच्च न्यायालय ने प्रधान को अपना मोबाइल फोन नंबर जांच अधिकारी को देने का भी निर्देश दिया। जांच अधिकारी को दिन में दो बार उम्मीदवार को फोन करने की अनुमति होगी। हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन जैसे आरोपों से जुड़े ये निर्देश दिए गए। नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ चले आंदोलन के दौरान प्रधान के खिलाफ दर्ज किए गए थे। उपचुनाव के लिए प्रचार चार

अक्टूबर को समाप्त होगा और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी। प्रधान 18 सितंबर को गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें नंदीग्राम थाने में दर्ज चार मामलों और पड़ोसी खेजुरी थाने में दर्ज दो अन्य मामलों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। उच्च न्यायालय ने अप्रैल 2007 में नंदीग्राम में पुलिस गोलीबारी में 14 लोगों की मौत की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। प्रधान के वकील मिलन मुखर्जी ने अदालत के समक्ष कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार को 15 सितंबर को नंदीग्राम उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने अंतरिम जमानत का अनुरोध किया, ताकि प्रधान को नंदीग्राम प्रचार कर सकें और चुनाव में उचित तरीके से भाग ले सकें। कांथी की निचली अदालत ने एक मामले में उन्हें सात अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

हार के बाद कांग्रेस कर रही संवैधानिक संस्थाओं का अपमान: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी की नेता स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार पर विचार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और भारत के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरानी ने वोटर लिस्ट में बदलाव और उसे अपडेट करने के बारे में विपक्ष की हालिया टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस विचार का जिक्र किया कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध तो होता है, लेकिन अहम लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमले नहीं होने चाहिए। ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है: उनकी आलोचना करें, उन पर हमला करें, लेकिन इस हमले को



संवैधानिक संस्थाओं और भारत के लोकतंत्र पर हमले में न बदलने दें। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व भारत के संवैधानिक ढांचे को तहस-नहस करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वोटर लिस्ट अपडेट में 13.3 करोड़ एंटीज के बारे में कांग्रेस के दावों पर बात करते हुए, उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा डुप्लीकेट और मृत वोटरों को हटाने के लिए किए गए घर-घर जाकर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पर एक आधिकारिक

स्पष्टीकरण जारी किया था।

ईरानी ने वोटर लिस्ट को ठीक करने के विरोध में विपक्ष के इरादों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट नाम या मृत लोगों के नाम हैं, तो कांग्रेस पार्टी क्यों चाहती है कि मृत लोगों के नाम वापस जोड़े जाएं? कांग्रेस पार्टी क्यों चाहती है कि डुप्लीकेट एंटीज बनी रहें? उन्होंने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में कांग्रेस के रवैये पर भी सवाल उठाए, जहां गैर-बीजेपी सरकारें सत्ता में हैं।

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कहा कि देश में चुनावों में ईवीएम और मतदाता सूची से जुड़ी 'मैच फिक्सिंग' हो रही है, जिसके खिलाफ पार्टी को संसद से लेकर सड़क तक विरोध के साथ-साथ प्रतिरोध के रास्ते से पीछे नहीं हटना चाहिए। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई कांग्रेस कार्य समिति की करीब ढाई घंटे चली बैठक में गांधी ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़े खुलासे अब सामने आ रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस ने इन मुद्दों को उठाया है। सूत्रों के मुताबिक, गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने "वोट चोरी" के मुद्दे को मजबूती से उठाया है और हरियाणा,



कर्नाटक तथा महाराष्ट्र में चुनावों में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया, लेकिन शुरू में कई लोग इसे लेकर संदेह में थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि अब यह मुद्दा मीडिया और संपादकों में चर्चा का विषय बन गया है। उनके हवाले से सूत्रों ने कहा, "इसलिए मैच फिक्सिंग के दो रूप हैं, ईवीएम मैच

मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि तथ्यों पर आधारित प्रस्तुतियां की गईं।" सूत्रों के अनुसार, गांधी ने कहा कि "मैच फिक्सिंग" दो तरह की है, एक ईवीएम से जुड़ी और दूसरी मतदाता सूचियों में जानबूझकर की जाने वाली छेड़छाड़ से संबंधित है। गांधी ने कहा, "इसलिए मैच फिक्सिंग के दो रूप हैं, ईवीएम मैच

फिक्सिंग और मतदाता सूची मैच फिक्सिंग, दोनों हो रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2024 का चुनाव "पूरी तरह फिक्स और रिएड (धांधली भरा)" था। सूत्रों के मुताबिक, गांधी ने इसके बाद बनाए गए कानूनों, विशेष रूप से दिसंबर 2023 में बनाए गए उस कानून का जिक्र किया, जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से छूट दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने इन कानूनों को "गैरकानूनी" बताया। गांधी ने पार्टी नेताओं से कहा कि कांग्रेस को सड़क से संसद तक विरोध और प्रतिरोध के रास्ते से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने 1930 में लाहौर में हुए कांग्रेस अधिवेशन का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उस

समय जब ब्रिटिश सरकार ने प्रांतीय स्वायत्तता देने से भी इनकार कर दिया था, तब कांग्रेस ने "पूर्ण स्वराज" के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार देश की जनता की आवाज सुनने या उसकी मांगों पर ध्यान देने से इनकार कर रही है और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले दलों के लिए आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता "प्रतिरोध" करना है। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल हटाने, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित करने, मतदाता सूचियों से हटाए गए 13 करोड़ से अधिक नामों को बहाल करने और चुनावों में "मैच फिक्सिंग" के आरोपों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की है।

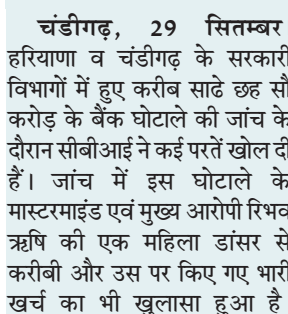
कटुआ में CISF कैप में जवान ने साथियों पर चलाई गोलियां, असिस्टेंट कमांडेंट समेत 4 की मौत



गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान उक्तरक्तकर्मी अभिदेश सिंह के तौर पर हुई है। फिलहाल घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई है।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार (29 सितंबर, 2026) को जम्मू-कश्मीर के कटुआ जिले में CISF के चार जवानों की मौत हो गई, जिनमें एक असिस्टेंट कमांडेंट भी शामिल थे। ये जवान हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे बसोली के मशका गांव में सेवा-III पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, दो जवानों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई और बाद में उनमें से एक ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे ये मौतें हुईं। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मामले की और जानकारी का इंतजार है।

हरियाणा में 650 करोड़ के बैंक घोटाले का मास्टरमाइंड सीबीआई के हथ्थे चढ़ा, डांसर को हर महीने देता था 10 लाख



चंडीगढ़, 29 सितम्बर। हरियाणा व चंडीगढ़ के सरकारी विभागों में हुए करीब साढ़े छह सौ करोड़ के बैंक घोटाले की जांच के दौरान सीबीआई ने कई परतें खोल दी हैं। जांच में इस घोटाले के मास्टरमाइंड एवं मुख्य आरोपी रिभव ऋषि की एक महिला डांसर से करीबी और उस पर किए गए भारी खर्च का भी खुलासा हुआ है।



सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में इस बात का खुलासा किया है। ऋषि ने

रुपये दिए। महिला ने जांच एजेंसी को बताया कि ऋषि ने उसे डांस का काम छोड़ने के बदले यह रकम देने का वादा किया था। छह माह में उसे कुल 56 लाख रुपये दिए गए।

सीबीआई के अनुसार ऋषि की मुलाकात महिला से मार्च-अप्रैल 2025 में चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी, जहां वह प्रस्तुति दे रही थी। इसके बाद आठ

मई को जयपुर में एक फॉर्महाउस पार्टी में दोनों की दोबारा मुलाकात हुई। पांच जुलाई को मुंबई के सेंट रेजिस होटल में ऋषि ने कथित तौर पर उससे प्रेम का इजहार किया। महिला के अनुसार, उसने खुद को इवेंट प्लानर और चावल के आयात-निर्यात से जुड़ा कारोबारी बताया। उसने यह भी कहा कि वह आईटीएफसी फर्स्ट बैंक में ब्रांच

मैनेजर है। महिला ने सीबीआई को बताया कि ऋषि ने उससे शादी करने के लिए अपनी पत्नी से तलाक लेने की बात कही थी। 18 जुलाई 2025 को उसने दिल्ली के द्वारका में उसके लिए मकान खरीदने के लिए एक लाख रुपये टोकन मनी दी। मकान के लिए 3.10 करोड़ रुपये नकद दिए गए। इसमें उसने 49 लाख रुपये दिए, जबकि बाकी रकम ऋषि ने दी

DAKS REHAB CENTRE (PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
- * बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था
- * वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
- * DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
- * NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
- * चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
- * एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
- * पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
- * मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
- * विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
- * मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES TRADITION OF EXCELLENCE

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES

— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years

Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director

ADMISSIONS OPEN

9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE

NEET | JEE | MHT-CET

10 DAYS FREE DEMO

Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)

- ✓ 34+ Years of Academic Excellence
- ✓ Experienced & Dedicated Faculty
- ✓ Personal Attention
- ✓ Printed Notes & Regular Tests
- ✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

♥ Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055

♥ Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gुरुक्रपा Hotel,
Sion (West), Mumbai

— Limited Seats / Small Batch Size —
CALL NOW:
7738007373

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी



-ललित गर्ग

होगा।सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेतावा है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जहनानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हिंगिंग फेंस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हिंगिंग फेंस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब डिजिटल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निमाताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले ह्याक्मॉड इंजेक्शनहू और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग स्तरों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-जानकारी संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकों की टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर जानकारी फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हুবहू नकल करके उसके परिजनों से पैसे मागे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वेच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना संसाधन नहीं है। यही तकनीकी क्षेत्र अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आगदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को ह्राएआई बंद करेह नहीं, बल्कि ह्राएआई को जितेदारी के साथ विकसित करेह का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतेनियो गुतेरिस् ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था। मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीकों को केवल उसके निमाताओं की सदृच्छ पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अधार्धुध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समर्थ रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति पेसी समस्याएं पैदा कर सकती हैं जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

सत्ता का शुतुरमुर्गी विमर्श: 'रोजगार मांगते युवाओं को रिव्शा थमाती राजनीति'



अशोक भाटिया

लोकतंत्र में जब व्यवस्था जन-आकांक्षाओं के बोझ तले दबने लगती है, तब अक्सर सत्ता के गलियारों से ऐसे विमर्श फूटते हैं जो न केवल आम नागरिक को बुनियादी समझ को चुनौती देते हैं, बल्कि उनके संघर्षों का उपहास भी उड़ाते हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा लखनऊ में एक कर्मशिलव टैक्सी सेवा के उद्घाटन के दौरान दिया गया बयान-रनौकरी के चक्कर में मत पड़ो, अपनी गाड़ी (ई-रिव्शा या टैक्सी) चलाओ, चार घंटे सुबह काम करो, दोपहर में बच्चों के साथ खाना खाओ, आराम करो और शाम को फिर निकल जाओर-इसी शुतुरमुर्गी विमर्श की नवीनतम कड़ी है। एक ऐसे राज्य में जहाँ लाखों युवा डिग्री हाथ में लेकर, अपनी जवानी के सबसे कीमती साल प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म भरने, पेपर लख कर पढ़ते हैं, वहाँ सत्ता के शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा 'पराधीन सपनेहुं सुख नहीं' जैसी पवित्र चौपाई का इस्तेमाल नौकरी के खिलाफ और मजबूरी के स्वरोजगार के पक्ष में करना एक गहरे नीतिगत खोखलेपन को दर्शाता है। यह केवल एक

आकस्मिक या बेतुका बयान नहीं है, बल्कि यह बेरोजगारी जैसी भीषण राष्ट्रीय समस्या के प्रति राजनीतिक नेतृत्व की संवेदनहीनता, शुतुरमुर्गी रवैये और जवाबदेही से भागने की उस प्रवृत्ति का दर्तावेज है, जिसका शिकार भारतीय युवा दशकों से हो रहा है।

जब कोई राजनेता किसी युवा से कहता है कि वह पारंपरिक नौकरी की तलाश छोड़कर ई-रिव्शा चलाए लगे, तो वह अनजाने में (या शायद जानबूझकर) उस पूरी सामाजिक और आर्थिक प्रक्रिया का अपमान कर रहा होता है जिसके तहत एक परिवार अपने बच्चे की पढ़ाता-लिखाता है। भारत में शिक्षा केवल साक्षरता का साधन नहीं है; यह सामाजिक गतिशीलता और वर्ग-परिवर्तन का एकमात्र जरिया है। एक किसान, एक मजदूर, या एक छोटा दुकानदार अपने पेट पर पट्टी बांधकर, कर्ज लेकर अपने बच्चों को इस उम्मीद में बी.टेक, एम.टेक, बी.एड या प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी करवाता है उसकी अगली पीढ़ी उस दलदल से बाहर निकल सके जिसमें वह खुद फंसा रहा।

जब इन उच्च शिक्षित युवाओं को 'आत्मनिर्भरता' और 'समय की आजादी' के रोमानी आवरण में लपेटकर रिव्शा चलाए की सलाह दी जाती है, तो राज्य अपनी उस प्राथमिक जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है जिसे 'सम्मानजनक रोजगार सृजन' कहा जाता है। अर्थशास्त्र की भाषा में इसे 'अंडाडम्पलिंगमेंट' कहा जाता है। जब एक एम.ए. या बी.टेक पास युवा मजबूरी में ई-रिव्शा आलात है, तो यह देश के मानव संसाधन की भारी बर्बादी है। उप-मुख्यमंत्री का यह तर्क कि चार घंटे

सुबह गाड़ी चलाओ और दोपहर में आराम करोर, जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और महंगाई के दौर में, ई-रिव्शा या टैक्सी चलाकर परिवार पालने वाले श्रमिक दिन में १२-१४ घंटे हाड़-तोड़ मेहनत करते हैं, तब जाकर उनके घर का चूल्हा जल पाता है। इसमें न तो कोई सामाजिक सुरक्षा होती है, न स्वास्थ्य बीमा, और न ही भविष्य की कोई गारंटी। इसे 'आजादी' का नाम देना श्रम के शोषण को उत्सव की तरह पेश करने जैसा है। ब्रजेश पाठक का यह बयान कोई पहला या अन्तु उदाहरण नहीं है। भारतीय राजनीति का यह एक स्थापित पैटर्न बन चुका है कि जब

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

भी सरकारें रोजगार के मोर्चे पर विफल होती हैं, उनके नीति-निमाता युवाओं को ऐसी सलाह देने लगते हैं जो हास्यास्पद भी होती हैं और दर्दनाक भी। इतिहास और समकालीन राजनीति ऐसे बयानों से भरी पड़ी है।

साल २०१८ में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में बेरोजगारी के सवाल पर कहा था कि अगर कोई व्यक्ति पकोड़े तलकर प्रतिदिन २०० रुपये कमाता है, तो उसे भी रोजगार माना जाना चाहिए। इस बयान ने पूरे देश में एक लंबी बहस को जन्म दिया था। आलोचकों का तर्क था कि यदि देश के सर्वोच्च पद से युवाओं को पकोड़े तलने को ही अंतिम लक्ष्य मान लेने की प्रेरणा दी जाएगी, तो फिर देश में आईआईटी, आईआईएम, और

विश्वविद्यालयों की विशाल श्रृंखला खड़ी करने का क्या औचित्य है? यह बयान भी युवाओं की अकादमिक योग्यताओं और उनके सम्मानजनक जीवन जीने के अधिकार को सीमित करने का प्रयास था। इसी तरह विज्ञान और तकनीक के मोर्चे पर आत्मनिर्भरता का एक अद्भुत और अवैज्ञानिक दावा करते हुए प्रधानमंत्री ने एक जनसभा में कहा था कि एक चायवाले ने गंदे नाले के ऊपर उलटा बर्तन रखकर वहां से निकलने वाली बायोगैस (मीथेन) से चाय बनाई। यह बयान न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मजाक उड़ाता था, बल्कि यह देश के नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं (जैसे स्वच्छ ईंधन और ड्रेनेज सिस्टम) देने में नाकाम रही व्यवस्था को छिपाने का एक लोक-लुभावन तरीका मात्र था।

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव अपने अजीबोगरीब बयानों के लिए विख्यात रहे हैं। उन्होंने युवाओं को सलाह दी थी कि वे सरकारी नौकरियों के पीछे भागने और सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी में सालों बर्बाद करने के बजाय गाय पालें, पान की दुकान खोलें या बकरियां पालें। उन्होंने गणित समझाते हुए कहा था कि एक गाय पालने से युवा कुछ ही सालों में लाखों रुपये कमा सकते हैं। हारा मुख्यमंत्री स्तर के व्यक्ति द्वारा युवाओं को आधुनिक तकनीकी युग से पीछे धकेलकर पारंपरिक और असंगठित क्षेत्रों में जबरन धकेलने का यह प्रयास नीतिगत दिवालियेपन का स्पष्ट उदाहरण था।

मध्य प्रदेश और बिहार के कई स्थानीय मंत्रियों और जनप्रशासकों ने समय-समय पर युवाओं को यह

कहकर हतोत्साहित किया है कि सरकारी नौकरियां अब बची नहीं हैं, इसलिए विवाह करने या जीवन में बसने के लिए निजी क्षेत्र में मजदूरी या खेती की ही अपना मुख्य आधार बनाएं। ये तमाम बयान एक साझी मानसिकता को दर्शाते हैं-रहमारे पास नीति नहीं है, हमारे पास नौकरियां नहीं हैं, इसलिए आप अपनी व्यवस्था खुद कर लीजिए और हमसे सवाल मत पूछिए। आधुनिक दौर में सरकारों ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भाषा विज्ञान का सहारा लेना शुरू कर दिया है। 'मजबूरी की बेरोजगारी' को अब 'उद्यमिता' , 'स्टार्टअप कल्चर', और 'गिंग इकोनॉमी' जैसे भारी-भरकम शब्दों से चाय बनाई जा रहा है। जब एक मंत्री डिलीवरी बॉय, जौमैटो-रिव्गी के राइडर्स, या ई-रिव्शा चालकों को 'आत्मनिर्भर उद्यमी' बताते हैं, तो वे उस कड़वे सच को कालीन के नीचे सरका रहे होते हैं जिसमें ये युवा बिना किसी पीएफ , गैरच्युटी, या तय न्यूनतम मजदूरी के कॉर्पोरेट और बाजार के रहमों-करम पर जीने को मजबूर हैं। क्या ई-रिव्शा चलाना गलत है? बिल्कुल नहीं। श्रम की अपनी गरिमा है और कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। लेकिन सवाल प्राथमिकता और राज्य के कर्तव्य का है। यदि किसी देश या राज्य का युवा अपनी मर्जी से, व्यावसायिक लुभ के लिए परिह्वन क्षेत्र में उतरता है, तो वह उसकी पसंद है। लेकिन जब एक युवा प्रशासनिक सेवा, शिक्षक भर्ती, या पुलिस भर्ती की परीक्षा में तैयारी करते-करते थक जाता है, जब परीक्षाएं बार-बार लीक हो जाती हैं, जब अदालतों में भर्तियां सालों-

साल लटकी रहती हैं, और तब थक-हारकर जब वह रिव्शा का 'हैडल' थामता है-तो वह 'आत्मनिर्भरता' नहीं बल्कि व्यवस्था द्वारा की गई 'आर्थिक हत्या' होती है। भारत इस समय जनसांख्यिकीय लाभांश के स्वर्णिम काल से गुजर रहा है। हमारे पास दुनिया की सबसे युवा आबादी है। इस युवा आबादी की ऊर्जा का उपयोग देश को अनुसंधान, अंतरिक्ष, तकनीक बुनियादी ढांचे और विनिर्माण के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने के लिए किया जाना चाहिए था। लेकिन जब सत्ता का शीर्ष नेतृत्व इस ऊर्ज को ई-रिव्शा के पहियों में खपाने की बात करता है, तो यह देश के भविष्य के विजन को बीना कर देता है।मंत्रियों और नीति-निमाताओं को यह समझना होगा कि युवा उनसे कोई मुफ्त की खैरता या 'मुफ्त राशन' की अंतहीन कतारों में खड़े होने का अधिकार नहीं मांग रहे हैं; वे केवल एक पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, समय पर नियुक्तियां और सम्मानजनक रोजगार के अवसर मांग रहे हैं। बेतुके बयान देकर, मुहावरों और चौपाइयों की आड़ में युवाओं के धावों पर नमक छिड़कने की इस राजनीतिक संस्कृति को अब बंद होना चाहिए। यदि लोकतंत्र में जनता के प्रति जवाबदेही का कोई भी अंश बचा है, तो राजनेताओं को अपनी भाषा में संवेदनशीलता को अपनी मूर्खता में दूरदर्शिता लानी होगी। अन्यथा, रिव्शा चलाने की सलाह देने वाले नीति-निमाताओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि यही युवा जब अपने मतों के अधिकार का इस्तेमाल करता है, तो वह बड़ी से बड़ी सत्ता की गाड़ी को भी पटरी से उतारने का मादा रखता है।

महाकाल की छांव में धड़कता उज्जैन...!

उज्जैन को समझना हो तो उसकी सड़कों से गुजरना पर्याप्त नहीं। यहां शहर को उसके मंदिरों के बीच पढ़ना पड़ता है। किसी मोड़ पर शिवालय, किसी गली में घंटियों की आवाज, किसी छोटे मंदिर के बाहर फूलों की टोकरी और कुछ कदम आगे श्रद्धालुओं का सैलाब-मानो पूरा शहर ही किसी अदृश्य परिक्रमा पथ पर चल रहा हो। और इस विराट धार्मिक भूगोल के केंद्र में हैं-महाकालेश्वर मुंबह की पहली आइट से लेकर रात की रोशनी तक उज्जैन की गति महाकाल के साथ चलती दिखाई देती है। फर्क इतना है कि आज इन गति में आधुनिक पर्यटन, डिजिटल कैमरे, सेल्फी और देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले नए यात्रियों की ऊर्जा भी जुड़ गई है।महाकाल के दर्शन के बाद बाहर निकलते ही इसका एहसास होता है। यहां किसी के माथे पर भरम की आस्था है तो किसी के हाथ में मोबाइल कैमरा। कोई परिवार व्षों बाद साथ आया है, कोई युवा पहली बार ज्योतिर्लिंग देखने पहुंचा है और कोई बुजुर्ग अपने जीवन की मनौती पूरी कर रहे हैं। चेहरे अलग हैं, भाषाएं अलग हैं, लेकिन महाकाल के सामने सबकी मुद्रा एक-सिर झुका हुआ। मंदिर के महाकाल के प्रति बढ़ती आस्था एवं उज्जैन की बढ़ती जीडीपी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि श्रावण मास में महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या 1.53 करोड़ के पार पहुंची। चार सवारियों और नागचंद्रश्वर दर्शन को जोड़ें तो आंकड़ा और बढ़ा। श्रावण के पहले सोमवार यानी 3 अगस्त की ही छह लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। शुरूआती आठ दिनों में 29.28 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की रिपोर्ट सामने आई। 2026 श्रावण-भादौ के 40 दिनों में 1.88 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए। इसी अवधि में शीघ्र दर्शन से रु.17.98 करोड़ और लड्डू प्रसादी से रु.13.06 करोड़ की आय हुई. वित्तीय वर्ष 2025-26 में मंदिर समिति की आय करीब रु. 144.14 करोड़ बताई गई। इसमें लगभग रु. 62 करोड़ दान पेटियों और रु. 65 करोड़ लड्डू प्रसादी से प्राप्त हुए। गर्भगृह की शांति और बाहर उमड़ता संसार महाकालेश्वर के मंदिर में प्रवेश का अनुभव बाहर की हलचल से बिल्कुल अलग है। जैसे ही श्रद्धालु भीर की ओर बढ़ता है, बाजार की आवाजें पीछे छूटने लगती हैं। घंटियों और मंत्रोच्चार के बीच कुछ क्षणों के लिए समय का बोध धीमा पड़ जाता है। यही विरोधाभास महाकाल की सबसे बड़ी शक्ति है। बाहर उज्जैन बदल रहा है, भीरु उसकी प्राचीन स्मृति अब भी उसी रूप में मौजूद हैं। महाकाल केवल पूजा का केंद्र नहीं रहे। वे उज्जैन की पहचान, उसकी अर्थव्यवस्था और उसके सामाजिक जीवन का सबसे बड़ा संदर्भ बन चुके हैं। महाकाल लोक : मंदिर से आगे

बना अनुभव महाकाल लोक ने इस धार्मिक यात्रा को एक नया आयाम दिया है। यहां पहुंचते ही मंदिर का अनुभव केवल दर्शन तक सीमित नहीं रहता। विशाल परिसर, स्थापत्य, मूर्तिशिल्प और रोशनी श्रद्धालु को लंबे समय तक रोकते हैं। रात में रोशनियां से नहाया परिसर एक अलग दृश्य रचता है। लगभग हर प्रमुख प्रतिमा के सामने लोग रुकते हैं। कोई परिवार सामूहिक तस्वीर खिंचवा रहा है, कोई युवा सेल्फी ले रहा है और कोई मोबाइल में वीडियो बनाकर अपने गांव-शहर तक यह दृश्य पहुंचा रहा है। यहां आस्था अब केवल आंखों से देखने की चीज नहीं रही; वह कैमरे के फ्रेम में भी दर्ज हो रही है। काशी से उज्जैन आई सेजल ने परिसर को देखकर सहज प्रतिक्रिया दी-ह्रूअति उत्तम, अद्भुत... काश ऐसी जगह काशी कॉरिडोर की होती तो स्वर्ग दिखता।ह्र उनको यह टिप्पणी महकन पर्यटन-सौंदर्य की प्रशंसा नहीं थी। यह उस पीढ़ी की प्रतिक्रिया थी जो धार्मिक विरासत को आधुनिक सार्वजनिक स्थान के रूप में भी देख रही है।

महाकाल की आस्था से शहर का कारोबार महाकाल की बढ़ती लोकप्रियता का असर मंदिर परिसर से बाहर सबसे पहले बाजार में दिखाई देता है। स्थानीय होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी और ऑटो-टैपो संचालकों से बातचीत में सामने आया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद ने कारोबार का स्वरूप बदल दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले की तुलना में होटल और रेस्टोरेंट कारोबार करीब चार गुना तक बढ़ा है। फूल-माला बेचने वाला हो या प्रसाद की दुकान चलाने वाला, पूजन सामग्री वाला हो या वाहन चालक-हर किसी की रोजी-रोटी में महाकाल से आने वाली भीड़ की हिस्सेदारी बढ़ी है। स्थानीय लोगों का दावा है कि श्रद्धालुओं की संख्या में पहले की तुलना में करीब दस गुना वृद्धि महसूस की जा रही है। इस बढ़ती आमद ने आवास की जरूरत भी बढ़ाई है।शहर के कई लोगों ने अपने घरों के अतिरिक्त कमरों को गेस्ट हाउस के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। यानी तीर्थयात्रा ने शहर की अर्थव्यवस्था के पारंपरिक ढांचे को भी बदलना शुरू कर दिया है। महाकाल के दर्शन के लिए आने वाला श्रद्धालु अब केवल मंदिर में पैसा खर्च करके वापस नहीं लौटता। वह वाहन लेता है, भोजन करता है, ठहरता है, पूजा सामग्री खरीदता है, स्थानीय बाजार में जाता है और शहर की अनेक छोटी आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बनता है। आस्था की यह परिक्रमा अब मंदिर से बाजार और बाजार से घर तक पहुंच चुकी है।

काशी की याद दिलातीं उज्जैन उज्जैन में घूमते हुए काशी की याद कई बार अनायास आती है। काशी की पहचान जिस तरह मंदिरों, गलियों



जो हैं, यहां मंदिर सिर्फ एक स्थान नहीं, जीवन की धुरी है. रोशनी में नहाता महाकाल लोक और हर प्रतिमा के सामने ठहरती आस्था. भीड़ बढ़ी तो बदला बाजार, बदली रोजी-रोटी की तस्वीर. गली-गली मंदिर, कदम-कदम पर शिव की उपस्थिति. वैसे भी उज्जैन को समझना हो तो उसके बाजारों से ज्यादा उसकी आस्था को पढ़ना होगा। यहां महाकाल केवल गर्भगृह में विराजमान ज्योतिर्लिंग नहीं, बल्कि पूरे शहर की प्रांभों में बसे हुए हैं। सुबह की पहली आइट से लेकर रात की आखिरी रोशनी तक शिव का साभंभ दिखाई देता है। महाकाल लोक की चकाचौंध में जब देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु हर प्रतिमा के सामने ठहरते और तस्वीरों में उस पल को सहेजते हैं, तो लगता है जैसे आस्था ने आधुनिकता का हाथ थाम लिया हो। हर चेहरा अपने साथ एक अलग शहर, अलग बोली और अलग विश्वास लेकर आया है, मगर महाकाल के सामने सब एकाकार हैं। इस आस्था ने उज्जैन के जीवन और अर्थव्यवस्था को भी बदल दिया है। स्थानीय कारोबारियों के मुताबिक होटल-रेस्तरां कई गुना बढ़े हैं। कई घर गेस्ट हाउस बन गए। फूल-माला, पूजन सामग्री, टैक्सी और छोटे कारोबारों में नई रौनक आई। भीड़ अपने साथ चूनेतिायों भी लाई है। सड़कों पर दबाव और यातायात की अव्यवस्था दिखती है। लेकिन इन सबके बीच उज्जैन की आत्मा अब भी वही कहती है-यह महाकाल की नगरी है, जहां आस्था केवल दिखाई नहीं देती, जीवन को दिशा देती है

गलियों और घाटों के अदृश्य ताने-बाने से बनती है, उसी तरह उज्जैन में भी मुख्य धार्मिक केंद्र से बाहर निकलते ही मंदिरों की निरंतर उपस्थिति दिखाई देती है। हर गली का अपना देवस्थान, हर मोहल्ले का अपना शिवालय और अनेक घरों के भीतर निजी पूजा-परंपरा-यह शहर केवल बड़े मंदिरों के कारण धार्मिक नहीं है। इसकी धार्मिकता उसकी रोजमर्रा की जिंदगी में घुली हुई है। यही कारण है कि उज्जैन में महाकाल के दर्शन के बाद भी तीर्थ सम्पात नहीं होता। वह किसी छोटे मंदिर, किसी घाट या किसी पुराने देवस्थान पर जाकर फिर एक नया रूप ले लेता है। हरसिद्धि से रामघाट तक आस्था की दूसरी परत महाकाल दर्शन के बाद हरसिद्धि मंदिर की ओर बढ़ते हुए धार्मिक वातावरण का रंग बदल जाता है। यहां भी श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनी रहती है। फिर रामघाट की ओर बढ़ते ही उज्जैन की धार्मिक कथा शिप्रा से जुड़ जाती है। घाट पर बैठे श्रद्धालु, नदी के किनारे पूजा करता परिवार, मंदिरों से आती ध्वनि और शाम का वातावरण-यह सब मिलकर उज्जैन की उस पहचान को सामने लाता है जो केवल महाकालेश्वर तक सीमित नहीं।

दिखाई दी। यह सवाल अब केवल सुविधा का नहीं है। आने वाले व्षों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ती है तो शहर के यातायात ढांचे को उसी अनुपात में तैयार करना होगा। महाकाल की नगरी को करोड़ों श्रद्धालुओं का स्वागत करना है तो उसे उनके लिए स्पष्ट आवाजाही भी सुनिश्चित करनी होगी। सुरक्षा और प्रोटोकॉल की अपनी उलझन

दर्शन व्यवस्था का दूसरा पहलू प्रोटोकॉल है। प्रोटोकॉल व्यवस्था में प्रवेश और साथ आए परिवार के सदस्यों के लिए नियमों को लेकर असुविधा का अनुभव हुआ। प्रवेश संबंधी औपचारिकताओं और रसीद व्यवस्था ने भी सवाल खड़े किए। सामान्य श्रद्धालुओं और प्रोटोकॉल से आने वालों के लिए मोबाइल और प्रवेश संबंधी नियमों में अंतर दिखाई देता है। सामान्य श्रद्धालु मोबाइल ले जा सकते हैं, जबकि प्रोटोकॉल व्यवस्था में अलग नियम लागू होते

महाकाल से आगे भी है उज्जैन उज्जैन की सबसे बड़ी खूबसूरती शायद यही है कि महाकालेश्वर उसका अंत नहीं, आरंभ है। महाकाल लोक आधुनिक उज्जैन का चेहरा दिखता है। हरसिद्धि उसकी शक्ति परंपरा की याद दिलाती है। रामघाट शिप्रा से उसका रिश्ता जोड़ता है। गलियों के मंदिर बताते हैं कि यहां धर्म कोई आयोजन नहीं, जीवन की शैली है। और बाजार यह बताता है कि आस्था अब शहर की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। अब चुनौती यही है कि इस बढ़ती आस्था के साथ शहर अपनी महकाल को भी उतनी ही तेजी से विकसित करे। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़े, लेकिन सड़कें न ठहरें। मंदिर की सुरक्षा मजबूत हो, लेकिन दर्शन की सरलता भी बनी रहे। कारोबार बढ़े, लेकिन शहर की मूल आत्मा बाजार में खो न जाए।

अंततः महाकाल रात गहराती है। महाकाल लोक की रोशनियां अब भी चमक रही हैं। श्रद्धालुओं के कैमरे अब भी उठ रहे हैं। कोई प्रतिमा के सामने खड़ा है, कोई परिवार के साथ तस्वीर खिंचा रहा है और कोई दूर से आए अपने गांव वालों को वीडियो कॉल पर उज्जैन दिखा रहा है। लेकिन इन तमाम दृश्यों के पीछे मंदिर का गर्भगृह अपनी उसी गंभीरता में है। बाहर बदलता उज्जैन है। भीतर वही महाकाल। यही उज्जैन की सबसे बड़ी कथा है-समय बदलता रहा, शहर बदलता रहा, लेकिन महाकाल के प्रति मनुष्य का झुकना नहीं बदला। शायद इसलिए उज्जैन को सिर्फ देखा नहीं जा सकता। उसे महसूस करना पड़ता है। और महाकालेश्वर के सामने पहुंचकर लगता है- यहां शहर समाप्त नहीं होता, यहां से आस्था की शुरूआत होती है।

आस्था का सैलाब, चढ़ावे की धार और बढ़ता खजाना श्रावण 2026 में 1.53 करोड़ से अधिक श्रद्धालु श्रावण मास में महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या 1.53 करोड़ के पार पहुंची। चार सवारियों और नागचंद्रश्वर दर्शन को जोड़ें तो आंकड़ा और बढ़ा।

एक दिन में छह लाख से ज्यादा श्रद्धालु श्रावण के पहले सोमवार यानी 3 अगस्त को ही छह लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। शुरूआती आठ दिनों में 29.28 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की रिपोर्ट सामने आई। 40 दिन में 1.88 करोड़ की आस्था श्रावण-भादौ के 40 दिनों में 1.88 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए। इसी अवधि में शीघ्र दर्शन से रु. 17.98 करोड़ और लड्डू प्रसादी से रु. 13.06 करोड़ की आय हुई। सालभर में रु. 144 करोड़ से

मीरा-भायंदर स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की 34वीं AGM में उद्योगों की समस्याओं पर चर्चा



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की 34वीं वार्षिक आम सभा (AGM) का आयोजन सोमवार, 28 सितंबर 2026 को मीरा रोड स्थित जी.सी.सी. क्लब में किया गया। कार्यक्रम में मीरा-भायंदर के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से विधायक नरेंद्र मेहता का सत्कार किया गया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। AGM में शहर के छोटे-बड़े उद्योगों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया। उद्योग प्रतिनिधियों ने स्थानीय स्तर पर उद्योगों को आने वाली दिक्कतों, आवश्यक सुविधाओं और प्रशासन से संबंधित विषयों पर अपनी बात रखी। एसोसिएशन के अध्यक्ष उमर कपूर ने उद्योग जगत से जुड़े मुद्दों और उद्यमियों की समस्याओं को कार्यक्रम के दौरान प्रमुखता से रखा। उन्होंने उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक सुविधाओं और प्रशासनिक स्तर पर समाधान की आवश्यकता पर चर्चा की। विधायक नरेंद्र मेहता ने अपने संबोधन में उद्योग जगत की समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान के लिए यथासंभव सहयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शहर के औद्योगिक क्षेत्र और यहां काम करने वाले उद्यमियों की समस्याओं पर संबंधित स्तर पर चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में नगरसेवक अनिल सावंत, डॉ. विनीतकुमार जयप्रकाश डोंगरे, संतोष नरखेड़े, संतोष मंडलोचा, करुणाकरन एस. शेट्टी सहित उद्योग जगत से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। AGM मंच संचालन कैप्टन विनोद शर्मा द्वारा किया गया। AGM का मंच संचालन कैप्टन विनोद शर्मा ने किया।

आरपीआई कार्यालय कैबिन पर चला मनपा का हथौड़ा, पार्टी कार्यालय टूटने से आक्रोश



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर के तीनबत्ती स्थित पिछले चार-पांच महीनों से बनाए गए अनधिकृत कैबिन पर आखिरकार महानगरपालिका प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। इस कैबिन में आरपीआई एकतावादी पार्टी के शहर अध्यक्ष अशफाक शेख का कार्यालय तथा दिव्यांग एकता मंच का कार्यालय संचालित हो रहा था। कार्रवाई के बाद पार्टी पदाधिकारियों में आक्रोश व्याप्त है। बताया गया कि त्योहारी सीजन के दौरान पुलिस बंदोबस्त उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्रवाई लंबित थी। पुलिस बंदोबस्त मिलने के बाद मनपा प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अनधिकृत कैबिन को हटाया। यह कार्रवाई प्रभाग समिति क्रमांक-5 के सहायक आयुक्त गिरीश घोटेकर, नगर विकास विभाग प्रमुख साकिब खर्बे तथा बीट निरीक्षक हनुमान म्हात्रे के नेतृत्व में की गई। मनपा प्रशासन के अनुसार तीनबत्ती स्थित मनपा बाजार की स्लेब पर अनधिकृत रूप से कैबिन बनाए जाने की शिकायतें प्रभाग समिति कार्यालय को लगातार मिल रही थीं। इससे पहले इसी स्थान पर प्रभाग समिति क्रमांक-5 के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के लिए कैबिन था। उसे हटाए जाने के बाद उसी जगह पर नया अनधिकृत कैबिन बनाए जाने की जानकारी प्रशासन के सज्ञान में आई। उपलब्ध दस्तावेजों की जांच करने के बाद संबंधितों को नोटिस जारी की गई और नियमानुसार कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त गिरीश घोटेकर ने बताया कि दस्तावेजों की जांच एवं नोटिस प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई की गई है। वहीं, आरपीआई एकतावादी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विकास निकम ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में अनेक अनधिकृत अतिक्रमण मौजूद हैं, फिर भी पार्टी कार्यालय को ही निशाना बनाया गया। उन्होंने कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाते हुए मनपा प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की, ऑयल पाम में नवाचार और कारोबारी सहयोग पर हुई चर्चा

मुंबई/पटना। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने सोमवार को मलेशिया की बागान एवं जिस मंत्री वाईबी दातुक सेरी डॉ. नोरेनी अहमद के नेतृत्व में आए एक उच्चस्तरीय मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। प्रतिनिधिमंडल में मलेशिया के बागान एवं जिस मंत्रालय, चेन्नई स्थित मलेशिया के महावाणिज्य दूतावास, मलेशियन पाम ऑयल कार्पोरल, मलेशियन पाम ऑयल बोर्ड और मलेशियन सस्टेनेबल पाम ऑयल के प्रतिनिधि शामिल थे। बैठक में समूह के विभिन्न व्यवसायों से जुड़े आपसी हित के क्षेत्रों पर चर्चा हुई, विशेष रूप से ऑयल पाम नवाचार और घरेलू कीटनाशक क्षेत्र पर। गोदरेज एग्रीवेट के साथ बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने ऑयल पाम के अपस्ट्रीम सेक्टर में अवसरों की तलाश की। साथ ही, उन्होंने भारत की विविध कृषि-जनवायु परिस्थितियों के अनुकूल अधिक उपज देने वाली ऑयल पाम किस्मों को विकसित करने के लिए उन्नत अनुसंधान और वैज्ञानिक उपकरणों के उपयोग पर भी विचार साझा किए। इन क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल रोपण सामग्री तैयार करने, उत्पादकता और सहनशीलता बढ़ाने तथा भारत की दीर्घकालिक खाद्य तेल सुरक्षा में योगदान देने में मदद मिल सकती है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के साथ चर्चा घरेलू कीटनाशक क्षेत्र और इसके विकास को समर्थन देने वाले कारोबारी माहौल को मजबूत करने के अवसरों पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यापार और नवाचार को सुगम बनाने पर भी अपने विचार रखे। मलेशिया की बागान और वस्तु मंत्री, वाईबी दातुक सेरी डॉ. नोरेनी अहमद ने कहा, मलेशिया और भारत के बीच कई क्षेत्रों में लंबे समय से मजबूत संबंध रहे हैं, जो आर्थिक विकास और खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन

प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-

337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी.

रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटफ हिल

वडला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयासरत: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की युवा शक्ति को रोजगार के लिए सक्षम बनाने हेतु शिक्षा के साथ कौशल विकास, प्रशिक्षण और रोजगार का समन्वय आवश्यक है। केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बदलती तकनीक के अनुसार (एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग) लगातार अपस्किलिंग और नए कौशल को आत्मसात करना समय की आवश्यकता है। दुनिया के 28 से अधिक देशों में मानव संसाधन की बड़ी मांग है और महाराष्ट्र के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयासरत है, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरेसी (एसएनडीटी) महिला विध्यालय में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में कौशल,

रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय महारोजगार मेले का आज कोकण और नासिक संभाग के सभी जिलों में ऑनलाइन शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बोल रहे थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वीडियो संदेश के माध्यम से रोजगार मेले को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों सहोदा परमानिक को क्रेवा कैपिटल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, बेलापुर तथा कांती शंभू चव्हाण को क्रेवा कैपिटल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, कुर्ला की ओर से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 25 वर्ष पूर्ण होने की पुष्टभूमि में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत इस रोजगार मेले का

1 अक्टूबर को पालघर जिले में एक दिन, एक घंटा, एक साथ स्वच्छता अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत पालघर जिले में 1 अक्टूबर 2026 को एक दिन, एक घंटा, एक साथ उपक्रम व्यापक स्तर पर आयोजित किया जायेगा। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ गांवों के निर्माण में जनभागीदारी मजबूत करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थल, प्रमुख एवं दृश्य स्थान, बस स्टैंड, साप्ताहिक बाजार, समुद्र तट, किले, स्कूल परिसर, सड़कें, चौक, जलस्रोतों के आसपास के क्षेत्र सहित आवश्यकता वाले स्थानों पर सामूहिक श्रमदान और स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान नागरिकों को कचरे के चार प्रकारों में वर्गीकरण, ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026, परिसर को

भिवंडी के रोजगार महाकुंभ में 32 कंपनियों द्वारा 146 उम्मीदवारों को मिला रोजगार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के पंडित दीनदयाल उपाध्याय रोजगार महाकुंभ कार्यक्रम के अंतर्गत भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के समाज कल्याण विभाग द्वारा मंगलवार को शहर के तीन स्थानों पर रोजगार शिविर आयोजित किए गए। ईदगाह स्थित तकिया अमानी शाह आईटीआई, कामतघर फेणेपाड़ा स्थित तेलुगू समाज शिक्षण संस्था तथा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक स्थित चाचा नेहरू स्कूल के संस्कार प्रतिष्ठान में आयोजित इन शिविरों में कुल 146 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मनपा के अनुसार रोजगार मेले के लिए कुल 600 उम्मीदवारों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिनमें से 379 उम्मीदवार प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित हुए। चाचा नेहरू

पालघर शहर में निःशुल्क मेडिकल कैंप आज, विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे स्वास्थ्य सेवाएं

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व मेमन ऑर्गनाइजेशन (मुंबई) की ओर से प्रस्तावित पालघर मेमन हॉस्पिटल तथा लायंस क्लब ऑफ पालघर के सहयोग से बुधवार 30 सितंबर 2026 को पालघर में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जायेगा। यह कैंप प्रत्येक माह के अतिरिक्त बुधवार को आयोजित किया जाता है। कैंप का आयोजन लायंस क्लब हॉल, पहला माला, कचेरी रोड, पालघर में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जायेगा। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जांच और आवश्यक चिकित्सा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा। शिविर में मुफ्त मेडिकल जांच एवं दवाइयां,

ब्लड शुगर टेस्ट, आंखों की जांच तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा एम.एल. दबके हॉस्पिटल, पालघर के सौजन्य से दी जायेगी। इसके अलावा मरीजों के लिए मशीन द्वारा कानों की जांच, दांतों की मुफ्त जांच, महिला एवं



आयोजन किया गया है। इस मेले के माध्यम से कोकण और नासिक संभाग के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, ऐसी आशा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार की त्रिसूत्री अत्यंत महत्वपूर्ण है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित

पालघर(उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दोनों दिव्यांग व्यक्तियों से विवाह करने वाले अजय विजय पांचाल और विनया अजय पांचाल दंपती को समाज कल्याण विभाग की ओर से आशीर्वाद का दीप जलाकर उनके नवविवाहित जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। शासन के नियमानुसार दोनों दिव्यांग व्यक्तियों के विवाह के बाद इस दंपती को समाज कल्याण विभाग के माध्यम से डाढ़ लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

समाज कल्याण कार्यालय में दंपती को आमंत्रित कर उनके हाथों आशीर्वाद का दीप प्रज्वलित कराया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने अजय पांचाल के पिता विजय पांचाल

से बातचीत कर योजना का लाभ प्राप्त करते समय सामने आए अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने दंपती को उनके आगामी वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना विभाग की

कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, सहायक आयुक्त प्रभाग समिति क्रमांक-5 गिरीश घोटेकर, कौशल विकास विभाग के वी.आर. पाटील, संस्कार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष एवं प्रभाग समिति क्रमांक-5 के सभापति एड. वैभव भोंईर, नगरसेवक सुमित पाटील, निलेश चौधरी, पारसेविका रोमा आळशी, नेहा काठवले तथा प्रमुख मार्गदर्शक एड. हर्षल पाटील उपस्थित रहे।

कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, सहायक आयुक्त प्रभाग समिति क्रमांक-5 गिरीश घोटेकर, कौशल विकास विभाग के वी.आर. पाटील, संस्कार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष एवं प्रभाग समिति क्रमांक-5 के सभापति एड. वैभव भोंईर, नगरसेवक सुमित पाटील, निलेश चौधरी, पारसेविका रोमा आळशी, नेहा काठवले तथा प्रमुख मार्गदर्शक एड. हर्षल पाटील उपस्थित रहे।

पुरषों से संबंधित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच तथा हृदय और कैप्सर से संबंधित उपचार एवं मार्गदर्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। शिविर में आयुष्मान भारत कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध रहने की जानकारी आयोजकों ने दी है। शिविर में डॉ. हर्षवर्धन मोरे , डॉ. यशिमन तबीर शेख, डॉ. हुमैफा खेसवाला, डॉ. रेखा पाठक और डॉ. स्नेहा वैद्य सहित विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं देंगे। जरूरत के अनुसार मरीजों को आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया जायेगा। आयोजकों ने पालघर एवं आसपास के नागरिकों से इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

मुंबई। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आज़मी ने 14 फीट से ऊंची झुग्गी-झोपड़ियों को गिराने के प्रस्ताव को लेकर बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े से मुलाकात की। उन्होंने नगर निकाय की प्रस्तावित कार्रवाई को रोकने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने उज्जैन में मस्जिद से जुड़े विवाद, आईआईटी बॉम्बे के छात्र की मौत के बाद परिजनों के प्रदर्शन और सांताक्रूज सीवर हादसे को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। बीएमसी कमिश्नर से मुलाकात के बाद अबू आज़मी ने कहा कि प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर अधिकारियों से बातचीत हुई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इतनी बड़ी संख्या में कार्रवाई एक दिन में नहीं हो सकती। करीब 39 हजार झुग्गियों को लेकर कार्रवाई की बात सामने आई है, लेकिन यह काम एक साथ नहीं किया जा सकता। अवैध निर्माण पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इसके लिए कोई रास्ता निकाला जाना जरूरी है। इस पूरे मामले को लेकर बातचीत चल रही है और संबंधित योजनाओं को

और रोगमुक्त भारत हमारा सपना है। इस सपने की ओर आगे बढ़ने के लिए वास्तव में शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार को त्रिसूत्री के आधार पर हमें यह व्यवस्था खड़ी करनी होगी। आज देश की 65 प्रतिशत आबादी कार्यक्रम युवा शक्ति है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय और एकात्म मानव दर्शन के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इसी विचार के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के लिए लगातार कार्य कर रही है। यह जानकारी कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने दी। मंत्री मंगल

प्रभात लोढ़ा ने आगे कहा कि, आज रोजगार महाकुंभ की शुरुआत हुई है; यह अंत नहीं है। महाराष्ट्र के प्रत्येक युवक-युवती को रोजगार या स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराने तक हमारे प्रयास जारी रहेंगे। महाराष्ट्र की युवा शक्ति को कौशल, अवसर और रोजगार से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस बार केवल आईटीआई के विद्यार्थियों तक सीमित न रहते हुए सभी स्तरों के युवाओं के लिए प्रत्येक तहसील में कम से कम तीन छोटे रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। केवल मेले आयोजित करने तक सीमित न रहते हुए विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हो, इसके लिए 7 दिनों का निःशुल्क पूर्व-रोजगार प्रशिक्षण दिया गया है और अब तक 61 हजार युवक-युवतियों ने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

दिव्यांग दंपती के नये संसार को मिला आशीर्वाद का दीप का सहारा

समाज कल्याण विभाग ने प्रदान किया ढाई लाख रुपये का लाभ



से बातचीत कर योजना का लाभ प्राप्त करते समय सामने आए अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने दंपती को उनके आगामी वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना विभाग की

कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, सहायक आयुक्त प्रभाग समिति क्रमांक-5 गिरीश घोटेकर, कौशल विकास विभाग के वी.आर. पाटील, संस्कार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष एवं प्रभाग समिति क्रमांक-5 के सभापति एड. वैभव भोंईर, नगरसेवक सुमित पाटील, निलेश चौधरी, पारसेविका रोमा आळशी, नेहा काठवले तथा प्रमुख मार्गदर्शक एड. हर्षल पाटील उपस्थित रहे।

100 स्कूलों में पहुंचेगी पुस्तकों की परसबाग, पहली खेप में 10 पुस्तक पेटियां वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण विद्यार्थियों में पठन संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर ने रीगल प्रेसिडेंट डॉ प्रवीण वैश्य के मार्ग निदेशन में सजली-फुलली, पुस्तकों की परसबाग अभियान शुरू किया है। क्लब सचिव रेखेश जैन की संकल्पना पर शुरू किये गये इस उपक्रम के तहत पालघर जिले की 100 प्राथमिक विद्यालयो तक पुस्तक पेटियां पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जिला शासकीय पुस्तकालय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला पुस्तकालय अधिकारी प्रशांत पाटील के हाथों केंद्र प्रमुखों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को पहली खेप में 10 पुस्तक पेटियां वितरित की गई। प्रत्येक पेटी में कक्षा 1 से 4 के विद्यार्थियों के लिए 131 चयनित पुस्तकें और आलाय विनोबा भावे की गीताई की पॉकेट पुस्तिका शामिल है। पुस्तक पेटियों में बाल कहानियां, बड़बड़गीत, रोचक कथाएं, महान पुस्तकत्वों की जीवनियां, विज्ञान कथाएं, वैज्ञानिकों की प्रेक कहानियां और कविताएं



शामिल हैं। ग्रामीण स्कूलों में बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप पुस्तकें उपलब्ध करने से उनमें पढ़ने की आदत के साथ भाषा, कल्पनाशक्ति और विचारशक्ति विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम के शिक्षक, केंद्र प्रमुख और विद्यार्थी उपस्थित थे।ज्ञान की बगिया सजाने की पहल की संकल्पना के तहत शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य बच्चों तक पुस्तकें पहुंचाने के साथ उनमें पढ़ने की रुचि और ज्ञान के प्रति जिज्ञासा पैदा करना है। पुस्तकों की परसबाग के माध्यम से रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, फर्स्ट लेडी अर्चना वैश्य, पूर्व अध्यक्ष राकेश मिश्रा, रमेश मित्तल,

मुंबई में 39 हजार झुग्गियों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी, भड़के अबू आज़मी, बीएमसी कमिश्नर से मुलाकात कर कार्रवाई रोकने की गुजारिश

मुंबई। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आज़मी ने 14 फीट से ऊंची झुग्गी-झोपड़ियों को गिराने के प्रस्ताव को लेकर बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े से मुलाकात की। उन्होंने नगर निकाय की प्रस्तावित कार्रवाई को रोकने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने उज्जैन में मस्जिद से जुड़े विवाद, आईआईटी बॉम्बे के छात्र की मौत के बाद परिजनों के प्रदर्शन और सांताक्रूज सीवर हादसे को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। बीएमसी कमिश्नर से मुलाकात के बाद अबू आज़मी ने कहा कि प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर अधिकारियों से बातचीत हुई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इतनी बड़ी संख्या में कार्रवाई एक दिन में नहीं हो सकती। करीब 39 हजार झुग्गियों को लेकर कार्रवाई की बात सामने आई है, लेकिन यह काम एक साथ नहीं किया जा सकता। अवैध निर्माण पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इसके लिए कोई रास्ता निकाला जाना जरूरी है। इस पूरे मामले को लेकर बातचीत चल रही है और संबंधित योजनाओं को

जल्द लागू करने की कोशिश की जा रही है। आईआईटी बॉम्बे में छात्र की मौत के बाद उसके परिजनों के भूख हड़ताल पर बैठने के सवाल पर अबू आज़मी ने कहा कि जब कोई माता-पिता अपने बेटे को पढ़ने के लिए भेजते हैं और उसकी मौत हो जाती है तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि छात्र को दलित और निचली जाति से होने के कारण अपमान का सामना करना पड़ा और इसी वजह से उसने आत्महत्या की। अगर ऐसा हुआ है तो जिम्मेदार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उज्जैन में मस्जिद से जुड़े विवाद पर अबू आज़मी ने कहा कि 1947 से पहले मौजूद इबादतगहों और पूजा स्थलों को उसी जगह पर रहना चाहिए और अगर सड़क के विस्तार या निर्माण की जरूरत है तो उसका रास्ता कहीं और से निकाला जाना चाहिए। किसी मस्जिद को तोड़ने का ऐलान करना उचित नहीं है। आज़मी ने आरोप लगाया कि मुसलमानों के साथ जानबूझकर ज़्यादाती की जा रही है और ऐसे मुद्दों

के जरिए राजनीतिक ध्रुवीकरण करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति में मंदिर-मस्जिद और हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। आज़मी ने इसे लेकर सरकार और राजनीतिक दलों पर निशाना साधा। सांताक्रूज सीवर हादसे को लेकर अबू आज़मी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं और हादसों पर ध्यान देने के बजाय मंदिर-मस्जिद के मुद्दों पर ज़्यादा चर्चा हो रही है। आज़मी ने आरोप लगाया कि सांप्रदायिकता फैलाने और सत्ता में बने रहने की राजनीति के बीच आम लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे में लोगों की जान गई, लेकिन सरकार को इसकी परवाह नहीं है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसी सरकार को जल्द से जल्द सत्ता से हटाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के बजाय दूसरे राजनीतिक मुद्दों पर ध्यान दे रही है।

विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न किया। उन्होंने विद्यार्थियों को का अवसर प्रदान किया। अनुपम सिंह (IPS) के निदेश, अपर पुलिस के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अलावा आजमगढ़, बरामद माबाइलों में वनप्लस, वावा, रेडमा, पर भी शिकायत की जा सकती है।

प्राथमिक विद्यालय से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)।जनपद के राजातालाब [संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान मुखबि्र की सूचना पर राजातालाब पुलिस ने भद्रासी में एनडीबी ईट भट्ठे की ओर जाने वाले मार्ग के पास से आरोपी विशाल सिंह को चोरी के माल सहित गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से बोरे में 2 सीलिंग फैन ब्लेड सहित बरामद हुए।निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाया गया 1 ड्रम मय ढक्कन, 17 गिलास, 2 चम्मच, 2 कटोरी, 1 स्टील बाल्टी, 1 थाली व 1 प्लास्टिक बाल्टी में भरा चावल बरामद किया गया।इस बरामदगी के आधार पर थाना राजातालाब के मु0अ0सू0 0178/2026 धारा 303(2) बीएनएस में धारा 317(2)/331(4) की बढोत्तरी की गई। प्रथानाथ्यापिका प्राथमिक विद्यालय भद्रासी ने 28.09.2026 को तहरीर देकर विद्यालय से पंखे, ड्रम, बर्तन व चावल चोरी होने की सूचना दी थी। पूछताछ में विशाल सिंह पुत्र रविशंकर सिंह निवासी भद्रासी, उम्र 25 वर्ष ने चोरी स्वीकार की। जिसके खिलाफ पुलिस कानूनी कार्रवाई किया।

हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की नई राह, डायट में शिक्षकों ने दिखाए नवाचार



शिक्षा को सरल, रुचिकर और प्रभावी बनाने के लिए एक जा रहे विभिन्न अभिनव प्रयोगों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी रहीं। अध्यक्षता उप शिक्षा निदेशक एवं डायट प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने की। नवाचारों के मूल्यांकन के लिए राजा श्रीकृष्ण दत्त महाविद्यालय जौनपुर की बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता गुप्ता तथा राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय सिमरामऊ के सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश शर्मा निर्णायक मंडल में शामिल रहे।

डायट प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि नवाचार का मतलब केवल नई वस्तु तैयार करना नहीं है, बल्कि पुरानी समस्याओं का नया समाधान तलाशना, सीमित संसाधनों में बेहतर परिणाम हासिल करना और बच्चों की जरूरत के अनुरूप शिक्षा को सरल बनाने की सोच विकसित करना है। मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव कार्य कर रही है।। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत शिक्षा को नई दिशा देने के साथ-विकसित भारत के संकल्प को साकार करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ़ एक्ससेलेंस के अंतर्गत चयनित डायट जौनपुर भी इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है।

महोत्सव में शिक्षकों ने कक्षा-कक्ष में शिक्षण को अधिका रुचिकर और प्रभावी बनाने वाले विभिन्न नवाचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के प्रयोगों का अवलोकन कर उनका मूल्यांकन किया। आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों के अभिनव प्रयासों को संच उपलब्ध कराने, एक-दूसरे से सीखने तथा प्रभावी नवाचारों को विद्यालयों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का संचालन डायट प्रवक्ता धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। समापन पर अतिथियों, निर्णायक मंडल, शिक्षक-शिक्षिकाओं, डायट प्रवक्ताओं एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पैंथर ने चराग के साथ एक नए सफर की शुरुआत की



उनके अनुभव, और प्यार व अपनेपन से जुड़ा उनका एक सौम्य रूप। इस एल्बम में रईस, मिजाज और ठिकाना शामिल हैं, जो श्रोताओं को संगीत के पीछे छिपे इस कलाकार की निजी जिंदगी की एक झलक दिखाते हैं। चराग के बारे में बात करते हुए पैंथर ने कहा कि मुझे लगता है कि संच पर लोग जिस पैंथर को देखते हैं, मेरे अंदर उससे कहीं ज्यादा कुछ है। चराग ने मुझे अपने उन विचारों को दुनिया के सामने रखने का मौका दिया है। रईस मेरी भूख है, मिजाज मेरा सफर और वे लोग हैं जो इसका हिस्सा रहे हैं, और ठिकाना मेरा वह नरम पहलू है जिसे मैं हमेशा नहीं दिखाता। वे गाने बहुत अलग-अलग जगहों से आते हैं, लेकिन ये सभी मेरे ही हिस्से हैं। इसीलिए मैं चाहता था कि वे एक एल्बम के रूप में एक साथ रहें। चराग के साथ, पैंथर ने आत्मविश्वास, आत्मनिरीक्षण और अपनी भावनाओं को एक साथ पिरोना जारी रखा है, जिससे ये तीनों गाने मिलकर एक मुकम्मल एल्बम बनाते हैं जो इस कलाकार की बेहद निजी भावनाओं को व्यक्त करता है।

पुलिस मुठभेड़ 25-25 हजार के दो ड्वामी चोर गिरफ्तार

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के तहबरपुर थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात पुलिस की अंतरजनपदीय चोर गिरोह के दो 25-25 हजार रुपये के ड्वामी सदस्यों से मुठभेड़ हो गई।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर सीएचसी तहबरपुर में भर्ती कराया गया।पुलिस ने उनके कब्जे से दो .315 बोर के तमंचे, दो खोखा, तीन जिंदा कारतूस और 15,250 रुपये नकद बरामद किए हैं।दोनों के खिलाफ अलीगढ़, आजमगढ़ और अंबेडकरनगर में कुल 20 मुकदमे दर्ज हैं।

सीओ विजय सिंह गौर ने बताया कि सोमवार की रात तहबरपुर पुलिस चेकिंग और वाछितों की तलाश में क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि चोरी की घटनाओं में वाछित आरोपी करियाबर गांव के पास सर्विस लेन पर मौजूद हैं और किसी नई घटना की रेकी कर रहे हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सूर्य पाल, उपनिरीक्षक लोकेश मणि त्रिपाठी और पुलिस टीम ने घेराबंदी की।

टीम को देखते ही आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। आत्मरक्षार्थ की राई जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। करीब 3:15 बजे दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपियों की पहचान दिलशाद पुत्र नसरुद्दीन निवासी नगरिया कला, थाना फतेहगंज पूर्वी, बरेली और सोनू अली दुर्ग अस्गर पुत्र शमशेर निवासी बजेड़ा भगवानपुर, थाना जैतीपुर, शाहजहांपुर के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गिरोह के सदस्य हाईवे और एक्सप्रेस-वे के आसपास एसयूवी खड़ी कर नजदीकी गांवों में ऐसे मकानों की रेकी करते थे, जहां आसानी से चोरी की जा सके। इसके बाद रात में छत या पीछे के रास्ते से घर में प्रवेश कर मशीन से दरवाजे, बक्से और अलमारियों के ताले काटकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करते थे। वारदात के बाद सभी सदस्य तय स्थान पर पहुंचते थे, जहां एसयूवी चालक उन्हें लेकर फरार हो जाता था। चोरी का सामान बेचकर मिले रुपये आपस में बांट लेते थे।

आरोपियों ने आजमगढ़ के अलावा गाजीपुर, बलिया, जौनपुर और अंबेडकरनगर में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पूछताछ और बरामदगी के आधार पर अहरीला की दो, तहबरपुर की दो, बिलरियागंज की दो और अंबेडकरनगर के जैतपुर क्षेत्र की एक चोरी की घटना का खुलासा हुआ है। सीओ बूढ़नपुर विजय सिंह गौर ने बताया कि 20 अगस्त को अहरीला और तहबरपुर पुलिस की अलग-अलग मुठभेड़ में गिरोह के चार सदस्य दिलकस, साहिल, वाजिद और फैजान गिरफ्तार किए गए थे। इनके कब्जे से तीन तमंचे, कारतूस, चोरी के सोने-चांदी के जेवरकार, 29,230 रुपये, एसयूवी-500, पांच मोबाइल फोन और चोरी में इस्तेमाल उपकरण बरामद हुए थे। अब दिलशाद और सोनू की गिरफ्तारी के बाद गिरोह के छह सदस्य पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। गिरोह के दो अन्य सदस्य आफताब निवासी चौबारी, बरेली और नसार निवासी नगरिया कला, बरेली फरार हैं।

एस.के . सोमैया कॉलेज में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन

मुंबई। एस. के. सोमैया कॉलेज

ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, विद्याविहार, मुंबई में 29 सितंबर 2026 को हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम और प्रतिभा का सुंदर परिचय दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध हास्य कवि सुरेश मिश्र, प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम वडजे, हिंदी विभाग के सहायक आचार्य एवं समन्वयक डॉ. प्रकाश सोनी तथा छात्राओं नियति और जिकल ने दीप प्रज्वलित किया।मुख्य अतिथि सुरेश मिश्र ने अपनी एक से बढ़कर एक हास्य कविताओं से विद्यार्थियों को खूब गुदगुदाया। वहीं बेटी की विदाई पर प्रस्तुत उनकी भावपूर्ण कविता ने पूरे वातावरण को भावविह्वल कर



दिया। प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम वडजे ने हिंदी दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए हिंदी भाषा की हास्य कविताओं से विद्यार्थियों को विचार व्यक्त किए। उन्होंने हिंदी विभाग तथा कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. प्रकाश सोनी एवं विद्यार्थियों के

प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। विद्यार्थियों को निरंतर कार्य करने की प्रेरणा दी। डॉ. सोनी ने हिंदी भाषा की सर्वप्रियता, व्यापकता एवं विस्तार पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभाओं की सराहना की तथा हिंदी के प्रति विद्यार्थियों को निरंतर कार्य

विक्रम सोलर को महाराष्ट्र में एग्री-सोलर परियोजनाओं के लिए 400 मेगावाट मांड्यूल आपूर्ति का ऑर्डर मिला

कोलकाता। भारत की प्रमुख सौर पीवी मांड्यूल निमाता कंपनियों में शामिल विक्रम सोलर को महाराष्ट्र के कई स्थानों पर विकसित की जा रही विकेंद्रीकृत सोलर परियोजनाओं के लिए एक प्रतिष्ठित ईपीसी कंपनी से 400 मेगावाट मांड्यूल की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भारत में तेजी से बढ़ रहे कृषि-फीडर सोलराइजेशन क्षेत्र में विक्रम सोलर की मौजूदगी को और मजबूत करता है। यह क्षेत्र देश में विकेंद्रीकृत और भरोसेमंद अक्षय ऊर्जा ढांचे की दिशा में हो रहे बदलाव में लगातार महत्वाूप भूमिका निभा रहा है। समझौते के तहत विक्रम सोलर ₹620 डब्ल्यूपी क्षमता वाले हाई-एफिशिएंसी एन-टाइप टॉपकॉन जी12आर मांड्यूल' की आपूर्ति करेगा। इन मांड्यूल में ग्लास-टू-ग्लास, बाइफेजियल तकनीक और हाफ-कट सेल का इस्तेमाल किया गया है। इनकी आपूर्ति अक्टूबर 2026 से शुरू होने

वाली है। भारत में सोलर एनर्जी के विस्तार में तेजी जारी रहने के बीच विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं देश के क्लीन एनर्जी चेंज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। इनके जरिए बिजली उत्पादन को बिजली की खपत वाले केंद्रों के करीब लाया जा रहा है। इससे बिजली ग्रिड को अधिक मजबूत बनाने में भी मदद मिल रही है। खास तौर पर कृषि फीडर सोलराइजेशन से किसानों और कृषि समुदायों तक बिजली की बेहतर पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। साथ ही, यह भारत के व्यापक अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में भी योगदान देगा। विक्रम सोलर के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ज्ञानेश चौधरी ने कहा, एमएसकेवीवाई 2.0 जैसे कार्यक्रम भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनसे सौर ऊर्जा के लाभ किसानों और कृषि समुदायों के

करीब पहुंच रहे हैं। महाराष्ट्र में इतने बड़े स्तर पर परियोजनाओं के लिए मांड्यूल की आपूर्ति से विक्रम सोलर की उन्नत जी12आर टॉपकॉन' तकनीक और बड़े स्तर पर अलग-अलग स्थानों पर विकसित की जा रही सौर परियोजनाओं को पूरा करने की हमारी क्षमता पर भरोसा दिखाई देता है। भारत में अक्षय ऊर्जा ढांचे का विस्तार जारी रहने के साथ हम ऐसे उच्च प्रदर्शन वाले सोलर एनर्जी सॉल्यूशन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करें। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दें। देश के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे सके। विक्रम सोलर के लिए यह ऑर्डर बड़े स्तर पर और अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में फैले सोलर एनर्जी कार्यक्रमों को पूरा करने की कंपनी की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। इसमें कंपनी के बढ़ते विनिर्माण नेटवर्क और उन्नत तकनीक वाले उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बाइक सवार युवक की गर्दन कटी, जिला अस्पताल में लगे कई टांके



प्रियेश गुप्ता ऋद्रा जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से

घायल हो गया। विशेषरपुर के पास अचानक हवा में उड़ रहा मांझा युवक की गर्दन में फंस गया। धारदार मांझे से गर्दन कटने के बाद युवक लहलुहान हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार हमदरवाजा निवासी अब्दुल खालिद (32), पुत्र मोहम्मद जब्बार, मंगलवार दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे बाइक से अपने गैराज जा रहे थे। वह जैसे ही विशेषरपुर के पास पहुंचे, तभी अचानक चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में आकर फंस गया। मांझे की धार से उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया और वह घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

मनबढ़ों ने छह युवकों पर किया प्रहार,एक का फोड़ा सिर, खून से लथपथ देख मौके से फरार हुए हमलावर

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील अंतर्गत तराव (बगही) गांव में रविवार की रात तेरहवीं से घर लौट रहे छह युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि डींगरपुर यादव बस्ती के पास मनबढ़ों ने युवकों को लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीट दिया। हमले में प्रीतेश कुमार का सिर फट गया और वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस घायलों को बीबीबी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। चिकित्सकों ने प्रीतेश की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया,जबकि अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। मामले में पुलिस ने सोमवार को एससी-एसटी एकट



समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि प्रीतेश कुमार अपने साथी रितेश, रजनीश, विद्व, मनीष और अवधेश के साथ झंझार निवासी संदू चौहान के घर तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। रात में सभी बापस लौट रहे थे। आरोप है कि डींगरपुर यादव बस्ती के पास रामजनम यादव, डीपी यादव, प्रदीप यादव, मंगल यादव, साहिल

यादव, कल्लू यादव और अंकित यादव ने उन्हें रोक लिया और विवाद करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया। प्रीतेश के सिर में गंभीर चोट लगीने से वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसे गंभीर हालत में देखकर आरोपित मौके से भाग गए। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर तीन घायलों का मेडिकल परीक्षण नहीं कराने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि रविवार रात के केवल तीन युवकों का मेडिकल कराया गया, जबकि अन्य तीन को सुबह थाने आने के लिए कहा गया। आरोप है कि सोमवार को विद्व, मनीष और अवधेश थाने पहुंचे, जहां उन्हें दिनभर बैठाए रखा गया और उनका मेडिकल कराए बिना ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की छात्रा अन्नु एवं प्रेरणा ने किया। इस अवसर पर प्रज्ञा पांडे, दिशा, नमन, तैयबा, दीक्षा एवं आदित्य ने कविताओं की प्रस्तुति दी। ऑंकार ने भजन प्रस्तुत किया। आस्था एवं संस्कृति ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। भूमि एवं मिहिका ने हिंदी भाषा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नियति, जिकल, शुभम, रिहान, दीक्षा, मित्तल, सिद्धार्थ, आदित्य सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।अंत में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य एवं समन्वयक डॉ. प्रकाश सोनी ने सभी अतिथियों, प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह उत्साह, उमंग एवं हिंदी भाषा के प्रति गौरव की भावना के साथ संपन्न हुआ।

स्वतंत्र रूप से अनुबंध के लिए 18 वर्ष की आयु सीमा जरूरी ,सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था ने किया स्वागत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था ने स्वागत किया है। संस्था ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ स्वतंत्र रूप से अनुबंध करने के लिए 18 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा सुनिश्चित किया जाना बच्चों के हित में महत्वपूर्ण कदम हो।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाने की संभावना पर विचार करने को कहा है, जिनके तहत प्लेटफॉर्म को नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य हो। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं।

जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण, बैरकों की सघन तलाशी में नहीं मिली प्रतिबंधित वस्तु

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनूपम सिंह ने मंगलवार को संयुक्त रूप से जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिला कारागार की विभिन्न बैरकों का निरीक्षण किया तथा आवश्यकतानुसार सघन तलाशी कराई। तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार की आपर्तिजनक अथवा प्रतिबंधित वस्तु बरामद नहीं हुई। अधिकारियों ने कारागार की

सराफा कारोबारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, गुमशुदगी दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला दिलाजाक निवासी एक सराफा कारोबारी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। कारोबारी के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।परिजनों के अनुसार, लापता कारोबारी लाइन बाजार चौराहे के पास सराफा की दुकान चलाता है। बताया गया कि पिछले कुछ समय से उसका एक युवती करीब चार वर्ष पूर्व हुई थी और वह एक बच्चे का पिता है। उसके लापता होने के बाद पत्नी सहित परिवार के लोग कोतवाली पहुंचे और पुलिस को

घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान संबंधित युवती से भी पूछताछ की, लेकिन कारोबारी के संबंध में फिलहाल कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर उसकी तलाश में जुटी हुई है। वहीं, कारोबारी के अचानक लापता होने की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि कारोबारी के बरामद होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर उसकी तलाश में जुटी हुई है। वहीं, कारोबारी के अचानक लापता होने की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि कारोबारी के बरामद होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने कई खतरे : संतोष

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) द्वारा बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाना जरूरी है। ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण, मानव तस्करी, सेक्सटार्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर क्राइम जैसे खतरे मौजूद हैं। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ऐसी गतिविधियों में फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बच्चों को ऑनलाइन शोषण और डिजिटल खतरों से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

आस्था महिला एवं बाल विकास

संस्था ने सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआ

सेल्सफोर्स एक्सेलेरेटर - एजेंट्स फॉर इंपैक्ट ने भारत में सोशल सेक्टर के लिए ए.आई सॉल्यूशंस पेश किए

बैंगलुरु/मुंबई। भारत के नं. 1 सीआरएम, सेल्सफोर्स ने चार भारतीय नॉनप्रॉफिट संस्थाओं को कस्टम एजेंटफोर्स सॉल्यूशन बनाने में मदद की है। ये सॉल्यूशन सेल्सफोर्स एक्सेलेरेटर - एजेंट्स फॉर इंपैक्ट के पहले इंडिया कोहोर्ट के माध्यम से बनाए गए हैं। इस पहल के अंतर्गत नॉनप्रॉफिट संस्थाओं को अपने मिशन को आगे बढ़ाने में ए.आई का इस्तेमाल करने में मदद की जाती है। इन सॉल्यूशंस का प्रदर्शन छः महीने की निर्माण अवधि को पूरा करने के बाद किया गया। ये ए.आई एजेंट शिक्षा, करियर रेडीनेस, स्कॉलरशिप और दिव्यांगों एवं उनके परिवारों को सपोर्ट करने की महत्वपूर्ण जरूरत को पूरा करते हैं। एक्सेलेरेटर के माध्यम से इस कोहोर्ट को 6.8 करोड़ रुपये तक की ग्रांट, सेल्सफोर्स की टेक्नोलॉजी और निशुल्क विशेषज्ञता प्राप्त हुई है। एक्सेलेरेटर का लॉन्च भारत में फरवरी, 2026 में किया गया। इसमें चार नॉनप्रॉफिट संस्थाएँ - टीच फॉर इंडिया, अंतरंग फाउंडेशन, फाउंडेशन फॉर एक्सिलेंस और लतिका शामिल हैं। सेल्सफोर्स, साउथ एशिया की प्रेसिडेंट एवं सीईओ, अरुंधति भट्टाचार्य ने कहा, छः महीने पहले ये संस्थाएँ हमारे पास अपने मिशनों की वास्तविकताओं पर आधारित विचार के साथ आईं। आज उन्होंने अपने डोमेन की विशेषज्ञता के आधार पर प्रैक्टिकल एजेंट बना लिए हैं, जो भरोसमंद डेटा और इंसानी मदद के साथ काम करते हैं। इस कोहोर्ट ने दिखा दिया है कि सोशल सेक्टर में ए.आई लोगों की जगह लेकर नहीं, बल्कि उनका ही नॉलेज को बढ़ाकर, उनके समय को बचाकर और उन्हें और ज्यादा समुदायों तक सेवा व देखभाल पहुँचाने में समर्थ बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ब्लॉक आयुष चिकित्सालय में डॉ. ममता ने दी अपनी ज्वाइनिंग, अब मिलेगी पंचकर्म चिकित्सा सुविधा



उदयपुरवाटी। राजकीय ब्लॉक आयुष चिकित्सालय, उदयपुरवाटी में मंगलवार को नवनिर्भुक्त आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. ममता ने अपनी प्रथम सरकारी नियुक्ति के तहत कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. ममता ने उदयपुर आयुर्वेद कॉलेज से पंचकर्म विषय में स्नातकोत्तर (पीजी) की शिक्षा प्राप्त की है। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने डॉ.

ममता का साफा पहनाकर एवं बुके भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान सभी का मुंह मीठा करवाया गया। डॉ. ममता के कार्यभार संभालने से अब उदयपुरवाटी क्षेत्र के लोगों को पंचकर्म चिकित्सा की सेवाएँ भी स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। आपको बता दें कि डॉ. ममता के पति डॉ. सुमित कुमार गुर्जर धार्मिक तीर्थस्थल लोहारगल में आयुर्वेद चिकित्सक के पद पर

पारस डेयरी ने गैलेशिया क्रीम चीज के लॉन्च के साथ अपने गैलेशिया चीज पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई। वीआरएस फूड्स लिमिटेड के प्रमुख डेयरी ब्रांड पारस डेयरी ने आज मुंबई में अनुगा सिलेक्ट इंडिया में गैलेशिया क्रीम चीज लॉन्च करते हुए क्रीम चीज कैटेगरी में अपनी एंट्री का ऐलान किया। यह लॉन्च कंपनी के चीज पोर्टफोलियो के रणनीतिक विस्तार का हिस्सा है, क्योंकि कंपनी भारत के बेकरी, कैफे, फूड सर्विस और होम-बेकिंग सेक्टर में प्रीमियम क्वालिटी चीज की बढ़ती मांग का लाभ उठाना चाहती है।

यह लॉन्च ऐसे समय हुआ है, जब क्रीम चीज का इस्तेमाल पारंपरिक स्प्रेड से आगे बढ़कर बेकरी और फूड-सर्विस के कई और फॉर्मेट में फैल रहा है। चीजकेक, फ्रास्टिंग, डेजर्ट, सैंडविच, रैप और डिप गैलेशिया के टारगेट एप्लिकेशन में शामिल हैं, जिनसे बेकरी और



केक शॉप, कैफे और कॉफी चैन, होटल और रेस्टोरेंट, क्लाउड किचन, क्यूएसआर और होम बेकिंग में मौके बनते हैं। कंपनी का मानना है कि एप्लिकेशन सपोर्ट उसकी मार्केट-एंट्री रणनीति का एक अहम हिस्सा होगा। बेकरी-विशेषज्ञ शेफ के साथ काम करके और प्रमुख फूड-सर्विस मार्केट में दायल चलाकर पारस डेयरी यह दिखाता

चाहती है कि गैलेशिया को अलग-अलग रेसिपी और प्रोफेशनल किचन फॉर्मेट में कैसे शामिल किया जा सकता है। वीआरएस फूड्स लिमिटेड के डायरेक्टर जर्जिनर नागर ने कहा, गैलेशिया क्रीम चीज का लॉन्च पारस डेयरी के विकास में एक अहम कदम है, क्योंकि हम वैल्यू-एडेड चीज सेगमेंट में अपनी मौजूदगी को मजबूत कर रहे हैं। क्रीम चीज एक स्पेशलाइज्ड कैटेगरी है, जहां प्रोडक्ट की एकरूपता, मैयूफैक्चरिंग विशेषज्ञता, कोल्ड-चेन अनुशासन और एप्लिकेशन परफॉर्मेंस बेहद अहम हैं। चीज बिजनेस में हमारा 100 करोड़ रुपये

Arma Capital ने EBG Group के वेलनेस, फूड और फैमिली व्यवसायों में रु. 10 करोड़ का निवेश किया



मुंबई / हैदराबाद। महाराष्ट्र स्थित Arma Capital ने EBG Group के वेलनेस, फूड और फैमिली व्यवसायों में 710 करोड़ का निवेश किया है। इसके साथ ही हैदराबाद मुख्यालय वाले इस बिजनेस ग्रुप के कई उपभोक्ता-केन्द्रित ब्रांडों में Arma Capital की भागीदारी हुई है। इस निवेश में मुंबई, बैंगलुरु और चंडीगढ़ स्थित Carlton Wellness Centres तथा हैदराबाद में NATUF Café, Adhira & Appa Café और Chhota Bheem Family Café के लिए फ्रेंचाइजी साझेदारियां शामिल हैं। EBG Group के साथ जुड़ने से पहले Arma Capital के निवेश पोर्टफोलियो में कंज्यूमर ब्रांड्स, होस्पिटैलिटी और लाइफस्टाइल आधारित अनुभव शामिल थे। EBG Group में उसका निवेश उपभोक्ता-केन्द्रित व्यवसायों पर इसी फोकस को आगे बढ़ाता है, जिनमें विभिन्न बाजारों में विस्तार की क्षमता है, साथ ही इसके पोर्टफोलियो में वेलनेस, फूड और फैमिली अनुभव भी जुड़ते हैं।

हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट और एमडीएनआईवाई ने दुनिया भर में योग को पहुँचाने के लिए अपनी पांच साल की साझेदारी को नवीनीकृत किया



मुंबई/हैदराबाद। हार्टफुलनेस एजुकेशनल ट्रस्ट और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने आज हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित हार्टफुलनेस के मुख्यालय का नया शांति वनम में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर योग के प्रसार के लिए आपसी सहयोग को अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया है। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप योग शिक्षा, अनुसंधान, वेलनेस और आउटरीच पहलों को संयुक्त रूप से डिजाइन, कार्यान्वित और बढ़ावा देना है। इसके साथ ही दोनों संस्थानों की ताकतों का लाभ उठाना है: एमडीएनआईवाई की शैक्षणिक व नीतिगत विशेषज्ञता, और हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट की कार्यान्वयन क्षमता, ध्यान (मेडिटेशन) विशेषज्ञता व वैश्विक उपस्थिति। HET और MDNIY 150 से अधिक देशों में हार्टफुलनेस केंद्रों और इसके अन्त्यासक्तताओं के नेटवर्क का उपयोग आयुष द्वारा अनुमोदित प्रसार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए करेंगे। दोनों संस्थान भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों, दूतावासों और विदेशों में भारतीय मिशनों के माध्यम से योग और वेलनेस कूटनीति में इस सहयोग का प्रतिनिधित्व करेंगे, तथा भारत और अन्य देशों में संयुक्त रूप से क्षेत्रीय योग व वेलनेस सम्मेलनों, एक्स्पोजे और कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे। थीम-आधारित वेलनेस कार्यक्रमों में मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय योग सप्ताह और भारत तथा विदेशों में अन्य महत्वपूर्ण अवसरों के दौरान तनाव प्रबंधन, भावनात्मक व एकीकृत कल्याण और ध्यान कार्यक्रमों पर संयुक्त रूप से सामान्य योग प्रोटोकॉल सत्र आयोजित करना शामिल होगा।

रितेश पाल ने इंडियाज बेस्ट डॉसर सीजन 5 की ट्रॉफी अपने नाम की पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियाज बेस्ट डॉसर सीजन 5 में इंडिया वाला डांस की थीम पर महीनों तक चले शानदार प्रदर्शनों और अविस्मरणीय डांस पलों के बाद, रायपुर के रितेश पाल ने कोरियोग्राफर प्रतीक उतेकर के साथ मिलकर इस सीजन का खिताब अपने नाम किया। शुरुआत से ही रितेश का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के लिए अलग पहचान रखता था। उन्होंने लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाया, इस सीजन में तीन बार बैटल ट्रॉफी जीती और अपने दमदार तथा बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किए गए डांस प्रदर्शनों के लिए सारहना हासिल की। इंडियाज बेस्ट डॉसर सीजन 5 के विजेता रितेश पाल ने कहा कि डांस हमेशा से मेरा जुनून रहा है और इंडियाज बेस्ट डॉसर सीजन 5 जीतना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।

वित्त वर्ष 2026 में परिवारों को औसतन रु.15 लाख का डेथ क्लेम देकर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस सबसे आगे

ठाणे/मुंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026 में परिवारों को औसतन रु.15 लाख का व्यक्तिगत डेथ क्लेम (मृत्यु दावा) दिया है। कंपनी लगातार दूसरे साल इस मामले में सबसे आगे रही है, जो समय पर वित्तीय सहायता देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पिछले छह वित्त वर्षों के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध उद्योग आंकड़ों के अनुसार, कंपनी द्वारा भुगतान की गई औसत व्यक्तिगत डेथ क्लेम राशि वित्त वर्ष 2021 के लगभग रु.10 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में रु.15 लाख हो गई है। पिछले चार वर्षों में औसत क्लेम लगातार लगभग रु.14-15 लाख के आसपास बना हुआ है। जैसे-जैसे आय, कर्ज और पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ती हैं, ये आंकड़े

रेखांकित करते हैं कि पॉलिसीधारकों को समय-समय पर अपने लाइफ कवर (जीवन बीमा राशि) की समीक्षा क्यों करनी चाहिए, ताकि यह उनकी बदलती जरूरतों के अनुकूल बना रहे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस में अंडरराइटिंग एंड रिटेल क्लेम्स के प्रमुख सारांग गोखले ने कहा, जीवन बीमा एक सरल वादे पर आधारित है—परिवारों को उस समय वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत हो। वित्त वर्ष 2026 में हमने 5,149 करोड़ रुपये के मृत्यु दावों का निपटारा किया। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2026 में हमारा दावा निपटान अनुपात 99.3 प्रतिशत रहा। कंपनी स्तर पर जांच नहीं किए गए व्यक्तिगत दावों में अंतिम दस्तावेज प्राप्त होने की तारीख से औसत

निपटान समय केवल 1.1 दिन रहा। यह हमारे ग्राहकों और उनके परिवारों से किए गए वादे को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम दावों की प्रक्रिया को लगातार सरल बना रहे हैं और तकनीक आधारित सेवाएँ उपलब्ध करा रहे हैं, ताकि परिवारों को बिना किसी देरी के आवश्यक सहायता मिल सके। हम अपने ग्राहकों को यह भी सलाह देते हैं कि वे नियमित रूप से अपने बीमा कवर की समीक्षा करें, ताकि यह उनके जीवन के बदलते चरणों और लक्ष्यों के अनुरूप बना रहे। विशेष रूप से, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने पिछले वर्षों में लगातार उच्च क्लेम सेटलमेंट रेशियो दर्ज किया है और समय पर क्लेम का भुगतान करने के अपने वादे को निभाया है।

नवितास सोलर महाराष्ट्र में करेगी बड़ा निवेश

मुंबई। भारत की प्रमुख सोलर मॉड्यूल निर्माता कंपनियों में शामिल, नवितास सोलर ने आज ऐलान किया कि वह आने वाले पांच सालों में महाराष्ट्र और गुजरात में एक इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी इकोसिस्टम बनाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस निवेश से कंपनी सोलर वैल्यू चेन में अपना विस्तार कर पाएगी, जिसमें इंटर, वेपर, हाई-एफिशिएंसी सोलर सेल और मॉड्यूल शामिल हैं, साथ ही बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएम) और रिन्यूएबल पावर जनरेशन भी इसमें आते हैं। यह निवेश योजना नवितास सोलर के एक सोलर मॉड्यूल निर्माता से एक 77यथा मजबूती से इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी कंपनी के सफर में एक अहम कदम है। कंपनी का इरादा रिन्यूएबल एनर्जी वैल्यू चेन के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम, दोनों हिस्सों में अपनी मौजूदगी मजबूत करना है, जिसमें घरेलू मैयूफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाना, सप्लाय-चेन को मजबूत बनाना और बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी असेट्स के विकास में हिस्सा लेना शामिल है। कंपनी सिर्फ मैयूफैक्चरिंग तक सीमित न रहकर रिन्यूएबल एनर्जी जनरेशन और एनर्जी स्टोरेज में भी अपना विस्तार कर रही है। महाराष्ट्र में नवितास सोलर इपीसी और इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर (आईपीपी) मॉडल के तहत 200 टह और 25 टह क्षमता वाले दो सोलर पार्क विकसित कर रही है। गुजरात में कंपनी वडोदरा में 5 GWh के बैटरी एनर्जी स्टोरेज फैसिलिटी के साथ एनर्जी स्टोरेज सेगमेंट में भी कदम रख रही है, जिससे क्लीन-एनर्जी इकोसिस्टम में उसकी क्षमता और मजबूत होगी।

उत्तर यादव युवा संघ कल्याण जिला ने तीन प्रमुख पदाधिकारियों का किया सम्मान

कल्याण। उत्तर यादव युवा संघ (रजि.) कल्याण जिला की ओर से सोमवार, 28 सितंबर 2026 को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ से जुड़े तीन प्रमुख पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संगठन की और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश आजमगढ़ जिला अध्यक्ष कैलाशनाथ यादव का सम्मान कल्याण जिला कार्याध्यक्ष राजाराम नन्हक राम यादव की तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश लौहर यादव द्वारा किया गया।

इसी क्रम में साई श्रद्धा हॉस्पिटल के भूति एवं कल्याण जिला उपाध्यक्ष डॉ. विजय लालजी यादव का



सम्मान आजमगढ़ जिला अध्यक्ष कैलाशनाथ यादव एवं बिनोद पांडे द्वारा किया गया। वहीं तीसरे सम्मान के रूप में संघ कल्याण जिला कार्याध्यक्ष राजाराम नन्हक यादव जी का सत्कार संघ के राष्ट्रीय महासचिव विजय बहादुर लालजी यादव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद यादव ने किया।

इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ की ओर अधिक सशक्त बनाने

तथा समाजहित में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा हुई। सम्मानित पदाधिकारियों ने मंच से अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की एकता, सामाजिक सहयोग और समाज के युवाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में संघ के राष्ट्रीय महासचिव विजय बहादुर एल.

यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश लौहर यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद यादव, कल्याण जिला कार्याध्यक्ष राजाराम नन्हक राम यादव, जिला उपाध्यक्ष डॉ. विजय लालजी यादव तथा जिला सचिव जोगेंद्र पलकधारी यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की फोटोग्राफी के माध्यम से जोगेंद्र पलकधारी यादव ने आयोजन के विभिन्न क्षणों को कैमरे में कैद किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के राष्ट्रीय सचिव एवं कल्याण जिला अध्यक्ष जितेंद्र जगदेव यादव ने किया। अंत में आजमगढ़ जिला अध्यक्ष कैलाशनाथ यादव एवं जितेंद्र जगदेव यादव ने सभी सम्मानित पदाधिकारियों और उपस्थित सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

पुणे के चाकण प्लांट में नई स्कोडा स्लाविया का उत्पादन शुरू

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पुणे के चाकण प्लांट में नई स्कोडा स्लाविया का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह भारत में कंपनी के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका उत्पादन ऐसे समय में शुरू हुआ है जब भारत में त्योहारों का सीजन आ रहा है और लोग नई गाड़ियाँ खरीदना काफी पसंद करते हैं। नई स्लाविया, भारत की सबसे लोकप्रिय सेडान गाड़ियों में से एक रही है। अब यह ग्राहकों के लिए बेहतर डिजाइन, नई तकनीक, ज्यादा आराम और बेहतरीन सुरक्षा के साथ आ रही है। नई स्लाविया एक बेहद सफल गाड़ी के दम पर आगे बढ़ रही है, जिसकी अब तक लगभग 80,000 गाड़ियाँ बिक चुकी हैं। हमने स्कोडा ऑटो की उस अप्रैच को जारी रखा है जिसमें यूरोपीय इंजीनियरिंग के साथ भारतीय ग्राहकों की जरूरतों का ध्यान रखा जाता है। कंपनी ने देश में अपने सेडान पोर्टफोलियो को मजबूत

से ज्यादा का निवेश यह दिखाता है कि हम ऐसी क्षमताएँ बनाने के लिए दीर्घकालिक तौर पर प्रतिबद्ध हैं।

वीआरएस फूड्स लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर वीपीएस मलिक ने कहा, भारत के बदलते बेकरी और फूड-सर्विस लैंडस्केप में क्रीम चीज एक अहम इग्नरीएंट बनता जा रहा है, लेकिन यह एक ऐसी कैटेगरी भी है, जहाँ प्रोफेशनलस् स्वाद और टेक्सचर के साथ-साथ एकरूपता, फंक्शनैलिटी और वैल्यू भी चाहते हैं। गैलेशिया क्रीम चीज को इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। चीजकेक और फ्रास्टिंग से लेकर नमकीन एप्लिकेशन तक, हमें लगता है कि क्रीम चीज प्रोफेशनल किचन और बढ़ते होम-बेकिंग समुदाय में एक ज्यादा बहुपयोगी सामग्री बन सकती है।

श्री राम शिक्षा सेवा संस्था द्वारा आयोजित नौ दिवसीय राम कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब



-मोहित दुबे वसई (उत्तरशक्ति)। श्री राम शिक्षा सेवा संस्था वसई द्वारा संचालित नौ दिवसीय राम कथा परम श्रद्धेय भागवत मनीषी, राष्ट्र संत, पूजनीय श्री रघुवीर दास, इस्कॉन राजस्यु प्रभु जी, बड़े सुचारु व मधुर वाणी में कथा वाचन कर रहे हैं। कथा 26 सितंबर से हो रही है जो 4 अक्टूबर तक सायंकाल 4:00 बजे से 8:00 बजे तक स्वामीनारायण हॉल, 100 फीट रोड, वसई (केट) में चलेगी।

लगभग 2000 से अधिक श्रोतागण बड़े आनंदित होकर पितृ पक्ष में अपने पिताओं का उद्धार कर रहे हैं। पुरुषों की संख्या में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, क्योंकि महिलाएं धार्मिक प्रवृत्ति की होती हैं। श्री राम भक्त विपिन कुमार अग्रवाल जी, जो श्री राम शिक्षा सेवा संस्था के कर्ता-धर्ता हैं, उनके कुशल अनुशासनिक नेतृत्व में श्रोताओं को सुचारु रूप से ध्यान रखा जा रहा है—भला बैठने का स्थान हो, पीने का पानी हो, या महाप्रसाद हो। विपिन

कुमार अग्रवाल की राम कथा व्यवस्था अनुकरणीय, अनुसरणीय एवं प्रशंसनीय है।

व्यासपीठ पर विराजमान प्रभु जी अपने संदेश में जनता को अवगत कराते रहते हैं—देश प्रेम, नशा मुक्ति, पारिवारिक प्रेम, कर्तव्य पारयणता, बुजुर्गों का आदर, प्रभु आस्था व भक्ति। प्रभु जी का कथन है, र अपनी कथाओं द्वारा राष्ट्र संत रघुवीर दास प्रभु जी ने अनेकानेक दृष्टांत, भाव-भक्ति से भागवत सुनाकर जनता के दिल में प्रभु भक्ति की जोत जला दी, जिससे बहुत से परिवार नशा मुक्ति से खुश हैं। र समापन के दिन सब बुराइयों को हवन कुंड में डालकर भस्म कर दो और परस्पर प्रेम, मान-सम्मान, प्रभु में आस्था रखकर शांति से जीवन यापन करें। हर कथा एकाग्र चित्त निर्मल मन से सुनकर मनुष्य की हर व्याथा दूर हो जाती है। केशव मगमई 15-20 वर्षों से प्रभु जी के सान्निध्य में हैं। उनका कहना है कि टेंशन-फ्री होना है, व्यसन से छुटकारा पाना है, सकारात्मक सोच रखनी है, तन स्वस्थ, निरोग और मन प्रसन्न और शांत रखना है, तो परम पूजनीय प्रातः स्मरणीय श्री रघुवीर दास जी व्यासपीठ से कथा सुनिए।

मुंबई के तीन स्कूली छात्रों ने डब्ल्यूआरओ एशिया पैसिफिक ओपन चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता

मुंबई। आरएफएल एकेडमी में ट्रेनिंग और गाइडेंस पाने वाले मुंबई के तीन युवा छात्रों ने हैदराबाद में आयोजित डब्ल्यूआरओ एशिया पैसिफिक ओपन चैंपियनशिप 2026 की रोबोमिशन एलिमेंट्री कैटेगरी में पहला स्थान और गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। 'टीम रोबो रॉकस्टार' के तौर पर हिस्सा लेने वाली इस विजेता त्रिकुटी में जमनाबाई नरसी स्कूल के हेतांश अग्रवाल, नीता मुकेश अंबानी जूनियर स्कूल के आर्यमन वालिया और माटुंगा के डॉन बॉक्स इंटरनेशनल स्कूल के पृथ्वी शाह शामिल हैं। शानदार प्रदर्शन करते हुए रोबो रॉकस्टार अपनी कैटेगरी में परफेक्ट स्कोर हासिल करने वाली कल्याण टीम रही। उन्होंने पूरे चैलेंज के साथ-साथ कॉम्पिटिशन के दौरान बताए गए 'सरप्राइज रूल' को भी सफलतापूर्वक पूरा किया। इस चैंपियनशिप में चीन, मलेशिया, ताइवान, इटली, जर्मनी, कजाकिस्तान और ईरान समेत 25 देशों की टीमों ने हिस्सा लिया। म्यूजिकल नोट्स पर मौजूद सुरक्षित चीजों को छेड़ें और बिना किसी बाहरी मदद के (ऑनॉमस तरीके से) करना था। इस काम के लिए सिर्फ एक ऐसे रोबोट की जरूरत नहीं थी जो बस एक जगह से दूसरी जगह जा सके। छात्रों को मैकेनिकल डिजाइन, सेंसर, प्रोग्रामिंग और स्ट्रैटजी का तालमेल बिठाना था, ताकि रोबोट हलालता को समझ सके, काम को सही ढंग से कर सके और कॉम्पिटिशन के दबाव में भी भरोसेमंद प्रदर्शन कर सके। म्यूजिकल



करना था। उसे एम्पलीफायर को स्पीकर से जोड़ना था, माइक्रोफोन को सही जगह पर लगाना था, इंस्ट्रूमेंट्स को बैकस्टेज ले जाना था और म्यूजिकल नोट्स को उनके संबंधित रंग वाले हिस्सों में रखना था। यह सब उसे बिना फील्ड पर मौजूद सुरक्षित चीजों को छेड़ें और बिना किसी बाहरी मदद के (ऑनॉमस तरीके से) करना था। इस काम के लिए सिर्फ एक ऐसे रोबोट की जरूरत नहीं थी जो बस एक जगह से दूसरी जगह जा सके। छात्रों को मैकेनिकल डिजाइन, सेंसर, प्रोग्रामिंग और स्ट्रैटजी का तालमेल बिठाना था, ताकि रोबोट हलालता को समझ सके, काम को सही ढंग से कर सके और कॉम्पिटिशन के दबाव में भी भरोसेमंद प्रदर्शन कर सके। म्यूजिकल

को और बढ़ाने वाला 'सरप्राइज रूल' था, जिसके बारे में चैंपियनशिप के दौरान ही पता चला। इसके तहत टीमें को उपलब्ध समय में ही अपनी स्ट्रैटेजी, प्रोग्रामिंग या रोबोट डिजाइन में तेजी से बदलाव करना था। रोबो रॉकस्टार ने इसे भी सफलतापूर्वक पूरा किया और अपनी कैटेगरी में पूरे अंक (परफेक्ट स्कोर) पाने वाली एकमात्र टीम बनी, जिसमें 'सरप्राइज रूल' के अंक भी शामिल थे। महीनों की मेहनत बाना, टेस्ट करना और फिर से शुरू करना आरएफएल एकेडमी के लीड कोच मिस्टर अफफान ने कहा: इस कामयाबी की खास बात यह है कि 'रोबो रॉकस्टार' अकेली ऐसी टीम थी जिसने 'सरप्राइज रूल' समेत हर चीज में परफेक्ट स्कोर किया। इसके लिए उन्हें दबाव में सोचना, हालात के हिसाब से खुद को ढालना और काम को अंजाम देना पड़ा। उन्होंने महीनों तक रोबोट बनाने, टेस्ट करने, फेल होने, सुधार करने और फिर से कोशिश करने में समय बिताया। यह गोल्ड मेडल उनकी टेकिनकल कौशलियत, टीमवर्क, लगन और अपने आइडिया पर उनके भरोसे को सम्मान देता है।

और वे स्कोडा से जिस क्वालिटी एवं उत्कृष्टता की अपेक्षा रखते हैं, हम उसे जरूर पूरा करेंगे। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, 700 से भी ज्यादा सालों से सेडान गाड़ियाँ हमारी वैश्विक पहचान का एक अहम हिस्सा रही हैं। नई स्लाविया इस विरासत को गर्व से आगे बढ़ाती है। अपने सेगमेंट में लगभग 30% हिस्सेदारी के साथ, स्लाविया ने भारतीय ग्राहकों का भरोसा जीता है। नई स्लाविया उन सभी चीजों को और बेहतर बनाती है जिन्हें ग्राहक पसंद करते हैं, जिसमें बेहतरीन सदाबहार डिजाइन, यूरोपीय इंजीनियरिंग और सुरक्षा, शानदार परफॉर्मेंस, आधुनिक तकनीक और ज्यादा आराम का मेल है। जैसे ही हम नई स्लाविया का उत्पादन शुरू कर रहे हैं, हम भारत में स्कोडा की सेडान विरासत को और मजबूत करने के अपने वादे को दोहराते हैं।



होगा और यह स्कोडा ऑटो की दुनिया भर में वृद्धि में योगदान देगा। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ, पीपूष रोड्रा ने कहा, नई स्लाविया का उत्पादन शुरू होना हमारे भारत के सफर में एक बड़ा कदम है। यह दिखाता है कि भारत में गाड़ी बनाने और विकसित करने की हमारी क्षमता कितनी मजबूत है। स्लाविया ने अपनी डिजाइन, गाड़ी चलाने के अनुभव, सुरक्षा और इंजीनियरिंग से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नया मॉडल तकनीक, आराम और सुविधाओं में बेहतरीन सुधार के साथ आता है। पुणे में उत्पादन शुरू होने के साथ, हम स्लाविया के नए अवतार को ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं